RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com वर्षः-11 अंक - 358 इंदौर शुक्रवार ● 26 अप्रैल, 2024 कुल पृष्ठ - 8 मूल्य -1 रु.

शिक्षा माफिया

कोल माफिया से खतरनाक है शिक्षा माफिया

कोल माफिया जमीन के नीचे से कोयला निकालता है लेकिन ऊपर माफिया बनकर रहता है और शिक्षा माफिया अंडरग्राउंड है लेकिन ऊपर के सिस्टम को खराब किए बैठे हैं। फिर वो चाहे पब्लिकेशन माफिया हो, कालेज माफिया हो या नकल माफिया -

अनिल स्वरूप (देश के पूर्व शिक्षा सचिव)

सपनों की उड़ान भरवाते बिना मान्यता प्राप्त एयरहोस्टेज इंस्टिट्यूट

पार्ट 1

वे आपको बड़े-बड़े सपने दिखाते हैं और आपके पैसे लेने के बाद कोई परवाह नहीं करते - पीड़ित

डॉ देवेंद्र मालवीय
9827622204
Exclusive

ये अपने फोन से या फिर छात्रों के फोन से (गूगल) रिव्यू दिलवाते हैं ताकि इमेज बनी रहे इसलिए छात्र कृपया इसमें फंसें नहीं - समर्थ

इंदौर। मप्र की आर्थिक राजधानी इंदौर अब शिक्षा का हब भी हैं। इस कारण यहाँ अनेकों शिक्षा माफिया उत्पन्न हो गए हैं। शिक्षा माफिया जमकर लूट कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के भोले भाले छात्रों को हवाई जहाज में नौकरी का झांसा देने वालों की यहाँ कोई कमी नहीं है। कई ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट इन मासूमों के सपनों से खिलवाड़ कर रहे हैं।

गूगल पर सिर्फ **एयर होस्टेज इंस्टिट्यूट** इन इंदौर डालने पर आपको 10 से अधिक ऐसे ट्रेनिंग सेंटर के नाम मिल जायेंगे जो इस सेक्टर में ट्रेनिंग और नौकरी का वादा करते हैं। ग्लेमर और हवाई जहाज से सम्बंधित नौकरी छात्रों को आकर्षित करती है। इसी का फायदा ऐसे शिक्षा माफिया उठाते है। अधिकतर इंस्टिट्यूट अपने आप को किसी प्राइवेट यूनिवर्सिटी से या एनएसडीसी से मान्यता प्राप्त होना बताते है। वास्तविकता में ये कहीं से मान्यता प्राप्त नहीं हैं न ही इनके द्वारा दिए जाने वाले सर्टिफिकेट की बहुत मान्यता है। कुछ इंस्टिट्यूट एनएसडीसी के फर्जी अनुबंधों का हवाला देते है। नौकरी के नाम पर अलग से पैसा वसूली करके फर्जी ऑफर लेटर का खेल भी खेला जाता है। यदि जिला प्रशासन गंभीरता से जांच करे तो बहुत बड़ा फर्जीवाड़ा खुल सकता है और हजारों छात्रों के भविष्य को बचाया जा सकता है। बड़े बड़े विज्ञापन होर्डिंग और अन्य माध्यम से मासूमों के सपनो की उड़ान पर लोक लुभावने वादे करके लाखों रुपये लेकर प्रवेश करवाया जाता हैं। प्रवेश और पूछताछ के समय ही छात्रों से गूगल रिव्यू डलवा दिए जाते हैं। जब छात्र इनके चंगुल में फंस जाता है और इस इंडस्ट्री के फर्जीवाड़े की हकीकत सामने आती है तो छात्र अपने आप को ठगा महसूस करके अपने घर वापस लौट जाता है।

इंदौर में है ये बड़े ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट

- » फ्रैंकफिन इंस्टीट्यूट ऑफ एयर होस्टेस ट्रेनिंग इंदौर
- » अक्सा इंटरनेशनल एयर होस्टेस ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट इंदौर
- » एयरोड्रीम्स एविएशन एकडेमी
- » लोटस सूत्र एयर होस्टेस ट्रेनिंग प्रोग्राम इंदौर
- » एफ्लायर एयर होस्टेस ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट इंदौर
- » पनाश एयर होस्टेस ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट इंदौर एविएशन इंदौर
- » फ्लाईवर्ल्ड इंटरनेशनल एयर होस्टेस ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट इंदौर
- » एयरगो एकेडमी ऑफ इंटरनेशनल एयरहोस्टेस ट्रेनिंग इंदौर
- » डी फ्लाई इंटरनेशनल इंदौर
- » ए फ्लायर इंस्टिट्यूट ऑफ़ एयर होस्टेस ट्रेनिंग इंदौर
- » फ्लेज इंस्टीट्यूट ऑफ एविएशन एंड हॉस्पिटैलिटी इनके अलावा भी कुछ ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट हैं।

दैनिक सदभावना पाती की खोज में हुए कई खुलासे

इस संदर्भ में लगातार मिल रही शिकायतों पर जब दैनिक सदभावना पाती ने खोजबीन की, स्टिंग ऑपरेशन किये तो आँख खोल देने वाले कई खुलासे सामने आये कि किस तरह से छात्रों को लूटा जा रहा है और उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। पार्ट 1 में हम आपको इनमे से कुछ ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट के सताए हुए छात्रों के गूगल रिव्यू बता रहे है। जल्द ही इन फर्जी ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट के स्टिंग ऑपरेशन और अन्य खुलासे आप पाठकों को प्राप्त होंगे।

फ्रैंकफिन इंस्टीट्यूट ऑफ एयर होस्टेस ट्रेनिग इंदौर

» सबसे पुराने और सबसे ज्यादा प्लेसमेंट का दावा करने वाले इस इंस्टिट्यूट से इनके ऑफिसियल नंबर 8448980660 पर जब हमारे रिपोर्टर ने संपर्क किया तो अधिकारी से बात करने का बोला गया। उसके बाद 7982863989 नंबर से फ़ोन आया जिस पर किसी मेडम ने बात की और उनके बात करने का लहजा ही बता रहा था कि वो छात्रों से कैसे पेश आती होंगी। वे अपनी संस्था की सफाई में बोली हमारा सारा काम डॉक्युमेंटेट है। हम छात्रों को सबकुछ बता कर ही प्रवेश देते हैं।

इस संस्था के पीड़ित छात्र गूगल रिव्यू करते है

जय कुमावत लिखते है -

» This is the worst institute here, people take money for money or do not get any job or do not even return the money. They work well at the time of admission and in bad case everything goes to waste. I have spent Rs. 108000 in this institute. Now that money is spent. This staff is also not giving returns, very bad staff and very bad service so I request anyone not to invest their money here, it will waste your money.

गौरव मीणा लिखते हैं -

» There is no way to talk to the staff here. He himself must be doing a job worth 20 thousand and gives knowledge as if he is earning in lakhs. It's been a very bad experience.

नेहा कुमावत लिखती है -

» Bohot hi khrab institute hai . Kisi ki majburi nhi samjhte hai me sirf 15 din institute gai our mujhe course nhi karna tha to mere paise nhi diye pure 1,00,000 rakh liye. our vaha Jane ke baad pta chala ki vaha placement bhi ache nhi hote h

वीरेंद कुमावत लिखते हैं -

» **Bekar institute hai sab Paisa khane bethe hai yha pr**

नैना मिर्ज लिखती है -

» Agar students ko training nhi Leni h to admission feed vapas kyo nhi hogi 15000 yha visit krne ke charge me lut lete he Yha money weste mat kro koi bhi All staff have no emotion apka pesa lutkr moj krte h Bina ye soche ki un peso ki kisi ko jarurat ho sakti h meri friend ke pese dub gye h yha aap log bhi bina soche samjhe yha na jaye

राजू भैय्या (कृष्णा कुमार) लिखते हैं -

» बहुत ही खराब जगह है मैनेजर और यहां का स्टाफ बहुत ही बेकार है ठीक ढंग से व्यवहार करना कोई सिखा दो कृपया इनको मेरे 15000 वापस करो

मिहिका-

» I don't know about other but with the person my call was connected was very rude and no manners to talk with other I don't know what they think about there selfes someone please theach them basic ethics...tottaly Bad experience

रौशनी प्रजापति लिखती हैं -

» Don't join this institute if you not want to waste your money the entire staff wisll talk to you properly before you join but after that all staff forget that how to behave Many people have lost money in the name of non refundable

I have waste my 15000 here so please i suggest guys please stay away from this rubbish institute

STOLID TRADER स्टॉलिड ट्रेडर लिखते हैं -

» Come and Waste your lakh rs. Tatal Scam no Placement.. They show you big dreams and After taking your money don't care!!

50 M आईडी से लिखते हैं -

» Most of the Review are Fake. Don't waste your Hard Earned money in any institute wich doesn't provide Placements..

No Placement/ no Guarantee..

अक्सा इंटरनेशनल एयर होस्टेस ट्रेनिग इंस्टीट्यूट इंदौर

» इस ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट को और इनके मालिक राहुल पांडेय को कई बार ईमेल और व्हाट्सअप करके जानकारी मांगी गई। कई बार संपर्क करने के लिए कॉल किये पर उन्होंने फ़ोन नहीं उठाया। व्हाट्सप्प पर भी जवाब देने की जगह ब्लॉक कर दिया। एस एम् एस में अपने ऑफिस आने का ऑफर किया । जब हमारे द्वारा जानकारी ईमेल पर भेजने को कहा गया तो कोई जानकारी नहीं भेजी गई। सद्भावना पाती इस मामले को लेकर लगातार जानकारी एकत्रित कर रही है। आने वाले समय में इनके खुलासे आप पाठको के सामने होंगे कि किस तरह से इनके द्वारा छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है।

इस संस्था के पीड़ित छात्र गूगल रिव्यू करते है

अभिषेक सिंह लिखते हैं -

» Thy will force you to pay all fees by tha name of batch launch but actually they will not

आकांशा मिश्रा लिखती हैं -

» This is fake academy and it charges high and no placement and they only provide call centre job

संजीव शर्मा लिखते हैं -

» Very bed this trening institute

टीन टूबर लिखते हैं -

» Bad ambiance.Waste of money.Illiterate staff. Do not go there

अभिषेक सिंह लिखते हैं -

» Not worth getting admission in this institute thy make fake promises not giving proper classes.. waste of money

M4 COWBOY लिखते है -

» Abhorrent

Adnan Qureshi

अदनान कुरैशी लिखती हैं -

» Disgusting , it's a mafia of education.

एयरोड्रीम्स एविएशन एकडेमी

» जानकारी के लिए जब इस संस्था के मालिक हर्षवर्धन सिंह से संपर्क किया गया तो उन्होंने फ़ोन पर ही सारी जानकारी उपलब्ध करवा दी। साथ ही साफगोई से बताया की इस इंडस्ट्री में हमारा इंस्टिट्यूट किस तरह काम कर रहा है।बता दें कि दैनिक सदभावना पाती ने जब इस संस्था का स्टिंग ऑपरेशन किया था तब भी इनके द्वारा कोई गलत कमिटमेंट नहीं किये गए थे।

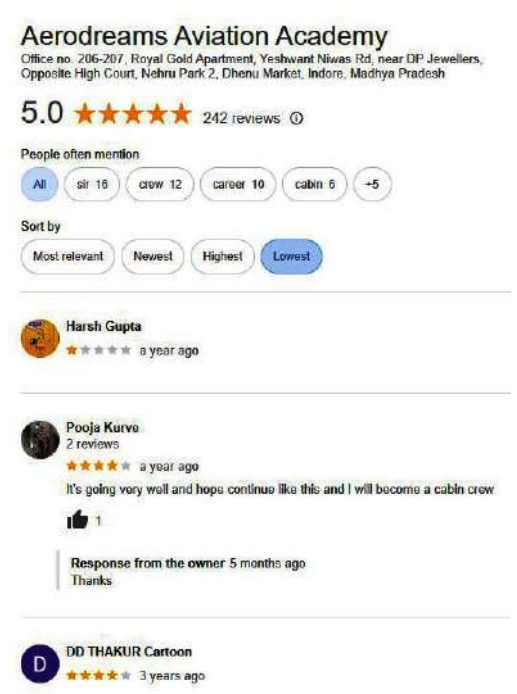

इस संस्था के पीड़ित छात्र क्या गूगल रिव्यू करते है

» हमारी पड़ताल में एक मात्र ऐसा इंस्टिट्यूट है जिसके गूगल रिवु की रेटिंग 5.0 होकर पूरी पॉजिटिव है इसके कोई नेगेटिव रिव्यू नहीं है,यहाँ के छात्रों से संपर्क करने पर उन्होंने बताया की इसके मालिक हर्षदीप सिंह बहुत ईमानदारी से हमको गाइड करते हैं।

डी फ्लाई इंटरनेशनल इंदौर

इनसे संपर्क करने के लिए जब कॉल किया गया तो कोई जवाब नहीं मिला

इस संस्था के पीड़ित छात्र क्या गूगल रिव्यू करते है

समर्थ लिखते हैं -

» It's a fraud company sirf trap hai money making ka or koi mumbai or Dubai mai inka office nahi hai bewakoof banane ki baat hai ek baar aapne registration fees di uske baad koi phone nhi uthayega aapka and this is not for negativity

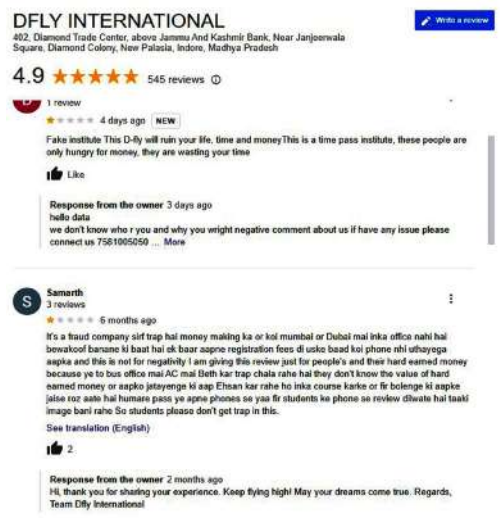

I am giving this review just for people's and their hard earned money because ye to bus office mai AC mai Beth kar trap chala rahe hai they don't know the value of hard earned money or aapko jatayenge ki aap Ehsan kar rahe ho inka course karke or fir bolenge ki aapke jaise roz aate hai humare pass ye apne phones se yaa fir students ke phone se review dilwate hai taaki image bani rahe So students please don't get trap in this.

Data Data लिखते हैं -

» Fake institute This D-fly will ruin your life, time and moneyThis is a time pass institute, these people are only hungry for money, they are wasting your time

फैसल शेख लिखते हैं -

» This is the worst institute, these people are just looting money and nothing else, stay away from such institutes

अनघा दवारे

» Highly unprofessional as they don't promise jobs ,the phones are never answered.sad state of affairs i must say,they call for job interview and after that it's a closed chapter

लाखों की फीस के बाद भी बने वेटर

» भोले भाले ग्रामीण छात्रों से लाखों की फीस वसूलने के बाद जब नौकरी देने की बारी आती है तो इंटर्नशिप के नाम पर इन मासूमो को बड़ी बड़ी होटलों में 8-10 हजार की वेटर की नौकरी करवाई जाती हैं । हमारे द्वारा इन छात्रों से बात करने पर पता चला कि अब हम फंस गए है । घर वालों को क्या जबाव देंगे । इसलिए ये सब करना पड़ रहा है, हमको सपने तो हवाई जहाज के दिखाए गए थे पर अब हमसे वेटर का काम करवाया जा रहा है।

सदभावना सवाल ?

यह है कि - सिर्फ इंदौर में ही हजारों की संख्या में छात्र इन इंस्टिट्यूट में प्रवेश लेते हैं प्रदेश और पूरे देश में यह संख्या लाखों में है। सोचने वाली बात है कि क्या इस सेक्टर में इतनी नौकरियां है ? जब नौकरियां ही नहीं है तो प्रतिवर्ष लाखों छात्रों की नौकरी कैसे लग जाएगी ? मतलब सीधा सा है की इन मासूमो को उड़ने के सपने दिखा कर लाखों की वसूली करना। इस मामले को लेकर इन फर्जी और बोगस संस्थाओं से पीड़ित छात्रों का कहना है कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन को एक विशेष कमेटी बनाकर इस फर्जीवाड़े की जांच करवा कर फर्जी संस्थाओं को बंद करवाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों द्वारा पोस्ट दिखाकर कर रहे मतदान को जागरूक

सीहोर (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियोंएवं स्वयंसेवी संस्थाओं को मतदाता जागरूकता के अन्तर्गत जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न प्रकार कि गतिविधियों का आयोजन के निर्देश दिये गये है। इसी श्रृंखला में गत दिवस राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों द्वारा मतदाता जागरूकता एवं स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत मतदाता जागरूकता गतिविधि आयोजित की गई जिसमें स्वयं सेवकों द्वारा बड़े बड़े पोस्टर के माध्यम से मतदाताओं को अधिक से अधिक अपने मताधिकार का उपयोग कर लोकसभा निर्वाचन में सर्वाधिक मतदान करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। स्वयं सेवकों द्वारा जिले के अनेक स्थानों पर जाकर लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया और पोस्टर फ्लैश के माध्यम से मतदान करने के लाभ एवं उपयोगिता से अवगत करवाया। मतदाता जागरूकता की गतिविधि को जिले के सब्जी मंडी, पान चौराहा ,भोपाल नाका,और गांधी रोड पर की गई।

व्यय प्रेक्षक ने बुधनी एसएसटी चेक पोस्ट का किया निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 18-विदिशा संसदीय क्षेत्र के लिए नियुक्त व्यय प्रेक्षक महुल भारत जैन (आईआरएस) ने विदिशा संसदीय क्षेत्र के तहत बुदनी स्थित एसएसटी चेक पोस्ट का औचक निरीक्षण तथा एसएसटी प्रभारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान व्यय प्रेक्षक श्री जैन ने निगरानी दल को निर्देश दिए कि बार्डर पर आने जाने वाले वाहनों की निगरानी एवं जांच की जाये। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होने पर सख्त कार्यवाही की जाये। साथ ही उन्होंने किसी भी प्रकार का अवैध मादक द्रव्यों, सोना, चांदी, शराब व अन्य नशीली पदार्थ का परिवहन नहीं होने दें तथा निगरानी रखने जाने के लिए प्रभारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

चैत्र-पूर्णिमा पर नर्मदा में श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी:रात में गंगा की तर्ज पर मां नर्मदा की महाआरती

नर्मदापुरम(निप्र)। चैत्र माह की पूर्णिमा के अवसर पर मंगलवार को हजारों श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाई। नर्मदापुरम में सेठानी घाट, पर्यटन घाट, बांद्राभान संगम समेत सभी घाटों पर अलसुबह 5 बजे से स्नान का सिलसिला शुरू हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने नर्मदा में स्नान किया। स्नान के बाद घाट पर पूजन पाठ की। आज रात 8 बजे सेठानी घाट पर मां नर्मदा की महाआरती हुई। काशी-बनारस में मां गंगा की होने वाली आरती की तर्ज पर 251 दीपों से मां नर्मदा की आरती हुई। बड़ी संख्या में महिला पुरुष महाआरती में शामिल हुए। नर्मदापुरम शहर सहित जिलेभर के नर्मदा घाटों पर पुलिस और होमगार्ड के जवान तैनात रहे। सुरक्षा की दृष्टि से सेठानी घाट पर होमगार्ड जवान श्रद्धालुओं को गहरे पानी में जाने से रोकते रहे। ताकि कोई दुर्घटनाएं न हो।

11 लाख 06 हजार 123 मतदाता करेंगे अपने मताधिकार का प्रयोग

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने बताया कि मतदान तिथि 7 मई को विदिशा जिले की पांचो विधानसभाओं क्रमशः विदिशा, बासौदा, कुरवाई, सिरोंज और शमशाबाद में दर्ज कुल 11 लाख 06 हजार 123 मतदाता लोकसभा निर्वाचन में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। कुल मतदाताओं में पांच लाख 76 हजार 483 पुरूष एवं पांच लाख 29 हजार 612 महिला मतदाताओं के अलावा 28 अन्य मतदाता शामिल है। लोकसभा क्षेत्र क्रमांक 18 विदिशा अंतर्गत आने वाली विदिशा विधानसभा में कुल 228674 तथा बासौदा में 213894 मतदाता मतदान करेंगे। जबकि लोकसभा क्षेत्र क्रमांक 05 सागर अंतर्गत आने वाली विधानसभाएं क्रमशः कुरवाई में 237056, सिरोंज में 224090 तथा शमशाबाद विधानसभा में 202409 मतदाता दर्ज हैं।

कलेक्टर द्वारा बाल विवाह रोकथाम हेतु जिला, खंड व ग्राम स्तर पर समितियां गठित करने का आदेश जारी

विदिशा (निप्र)। आगामी 10 मई 2024 को अक्षय तृतीया को दृष्टिगत रखते हुए जिले में होने वाले संभावित बाल विवाह को रोकने हेतु बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की धारा 13 (4) एवं (5) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने जिला, विकासखंड व ग्राम स्तर पर समितियों का गठन करने का आदेश जारी कर दिया है।

भोपाल लोकसभा के सामान्य प्रेक्षक ने चुनाव तैयारियों की समीक्षा की प्रेक्षक ने मतदान केन्द्र में आवश्यक सुविधाओं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

सीहोर (निप्र)। भोपाल संसदीय क्षेत्र के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक सुश्री रुबल अग्रवाल (आईएएस) ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित कर लोकसभा निर्वाचन के लिए की गई तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने लोकसभा चुनाव निष्पक्ष, स्वतंत्र तथा सुचिता पूर्ण संपन्न कराने के लिए की गई तैयारियों से अवगत कराया। सामान्य प्रेक्षक सुश्री अग्रवाल ने मतदान दिवस पर मतदाताओं के सुविधाजनक मतदान के लिए की गई तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने बैठक में सी-विजिल में आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन के मामलों के निराकरण के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने एफएसटी, वीवीटी, एसएसटी, सी-विजिल, एमसीएमसी टीम, कंट्रोल रूम के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने सभी मतदान केन्द्रों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिंह ने भोपाल संसदीय क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले सीहोर विधानसभा में निर्वाचन के लिए की गई तैयारियों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कुल 265 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। भोपाल संसदीय क्षेत्र के तहत सीहोर विधानसभा में कुल 223671 मतदाता हैं। सीहोर विधानसभा के तहत 05 एफएसटी तथा 05 एसएसटी दल निरंतर कार्य कर रहे है। सी विजिल पर 39 शिकायतें प्राप्त हुई , जिनका समय सीमा में निराकरण किया गया।

एसपी श्री मयंक अवस्थी ने चुनाव के लिए सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस द्वारा चेकिंग, अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों की विरूद्ध कार्यवाही के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने मतदान के दौरान बल की आवश्यकता एवं उपलब्धता के बारे में जानकारी दी। जिले में संचालित मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी लेते हुए अधिक से अधिक मतदान के लिए स्वीप गतिविधियों का आयोजन करने के निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत श्री अशीष तिवारी ने जिले में चल रही मतदाता जागरूकता गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। एसडीएम श्री तन्मय वर्मा ने पीपीटी के माध्यम से सीहोर विधानसभा की तैयारियों से अवगत कराया। बैठक में सहायक कलेक्टर श्री अर्पित गुप्ता, अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, नितिन टाले, श्री आनंद सिंह राजावत, डीआईओ श्री संजय जोशी सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कंट्रोल रूम एवं पेड न्यूज मॉनीटरिंग सेल का निरीक्षण

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा भोपाल संसदीय क्षेत्र के लिए नियुक्त प्रेक्षक सुश्री रुबल अग्रवाल ने कलेक्टर कार्यालय में चल रही विभिन्न निर्वाचन संबंधी गतिविधियों का निरीक्षण किया और विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने पेड न्यूज मॉनिटरिंग सेल, निर्वाचन व्यय लेखा सेल, जिला कन्ट्रोल रूम, वीवीटी आदि कक्षों का निरीक्षण कर निर्वाचन संबंधी कार्यवाही को देखा। इस दौरान कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने लोकसभा चुनाव सम्पन्न कराने के लिए संचालित किए जा रहे विभिन्न सेल के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

भोपाल संसदीय क्षेत्र की प्रेक्षक ने किया स्ट्रॉग रूम का निरीक्षण

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा भोपाल संसदीय क्षेत्र के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक सुश्री रुबल अग्रवाल ने जिला मुख्यालय स्थित महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में बनाए गए स्ट्रॉन्ग रूम का निरीक्षण किया तथा सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह तथा एसपी श्री मयंक अवस्थी से विस्तार से जानकारी ली।इस दौरान प्रेक्षक सुश्री अग्रवाल ने ईवीएम वितरण, ईवीएम वापसी, सीसीटीवी, कन्ट्रोल रूम, बेरीकेडिंग, पार्किंग, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, अभिकर्ताओं के लिए व्यवस्था आदि का निरीक्षण किया। प्रेक्षक ने चुनाव आयोग की चेक लिस्ट के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

सौतेले नाबालिग भाई ने किया युवती के साथ बलात्कार, डीएनए रिपोर्ट से हुआ खुलासा

आरोपी को गिरफ्तार कर बाल सुधार गृह बैतूल भेजा

इटारसी(निप्र)। तवानगर के पास रहने वाली दुराचार का शिकार मानसिक-शारीरिक दिव्यांग 19 वर्षीय युवती को डीएनए रिपोर्ट से न्याय मिला है। युवती के नाबालिग भाई ने ही उसके साथ दुराचार किया था। मंगलवार को तवानगर पुलिस नाबालिग को नर्मदापुरम विशेष न्यायालय लाई। वहां से उसे बाल सुधार गृह बैतूल भेजा गया है। वारदात के बाद पीड़ित मानसिक रूप से दिव्यांग होने से डर से सहमी रही। 7 माह बाद दिव्यांग युवती के गर्भवती होने की पुष्टि होने पर मामले का खुलासा हुआ। पुलिस की पूछताछ में युवती ने उस समय जो सामने आया, उसकी तरफ उंगली उठा दी। इसके बाद पिता, दादा, चाचा समेत 9 लोगों के ब्लड सैंपल डीएनए टेस्ट के लिए भेजे गए, लेकिन सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आई। इसके बाद पुलिस ने युवती की सौतेली मां के 15 वर्षीय बेटे का डीएनए टेस्ट कराया तो वह आरोपी निकला।

गर्भवती होने की पुष्टि होने पर हुआ मामले का खुलासा : मामला तवानगर थाना क्षेत्र के एक गांव का है। गांव के एक संयुक्त परिवार में रहने वाली 19 वर्षीय युवती जन्म से ही शारीरिक और मानसिक रूप से दिव्यांग है। उसे कुछ याद भी नहीं रहता। वह बाहर नहीं जा सकती। पूरे समय घर में ही रहती है। 7 अक्टूबर 2023 को दिव्यांग बेटी की तबीयत ठीक नहीं लगने पर परिजन उसे लेकर इटारसी के एक हॉस्पिटल में आए। वहां सोनोग्राफी के बाद तब डॉक्टर ने युवती के गर्भवती होने की सुचना दी। तब लड़की को नाबालिग मानकर परिजनों के साथ सरकारी अस्पताल भेज गया।अस्पताल से पुलिस को मेमो मिला, इसके बाद युवती को भोपाल के हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया।

जिले के दिव्यांग व 85 प्लस आयु वर्ग के कुल 306 मतदाताओं को होम वोटिंग की सुविधा मिलेगी - कलेक्टर वैद्य

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य के द्वारा विदिशा जिले में 85 प्लस आयु वर्ग के मतदाताओं तथा दिव्यांग मतदाताओं को होम वोटिंग सुविधा मुहैया कराए जाने हेतु विदिशा जिले में पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित कराए गए हैं। जिले में होम वोटिंग की सुविधा हेतु नियत तिथि 30 अप्रैल और एक मई को दिव्यांग व 85 प्लस आयु वर्ग के मतदाताओं को मुहैया कराई जाएगी। कलेक्टर श्री वैद्य ने बताया कि विदिशा जिले में कुल 306 मतदाताओं को होम वोटिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस हेतु जिले की पांचो विधानसभाओं में टीम गठित कर मतदाताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना ना करना पड़े इसके लिए उचित प्रबंध सुनिश्चित कराए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिले के जिन 306 मतदाताओं को होम वोटिंग की सुविधा मुहैया कराई जा रही है उनमें 85 प्लस आयु वर्ग के 228 तथा 78 दिव्यांग मतदाता शामिल हैं। जिले की विदिशा विधानसभा में कुल 141 मतदाताओं को होम वोटिंग की सुविधा मुहैया कराई जाएगी जिनमें 85 प्लस आयु वर्ग के 107 तथा 34 दिव्यांग मतदाता शामिल हैं। इसी प्रकार बासौदा विधानसभा में कुल 105 मतदाताओं को होम वोटिंग की सुविधा मुहैया कराई जाएगी जिनमें 85 प्लस आयु वर्ग के 85 एवं 20 दिव्यांग मतदाता, कुरवाई विधानसभा में कुल 34 मतदाता जिनमें 85 प्लस आयु वर्ग के 23 एवं 11 दिव्यांग मतदाता शामिल हैं। सिरोंज विधानसभा में कुल 15 मतदाता जिनमें 85 प्लस आयु वर्ग के 10 एवं पांच दिव्यांग मतदाता शामिल हैं। इसके अलावा शमशाबाद विधानसभा में कुल 11 मतदाताओं को होम वोटिंग की सुविधा मुहैया कराई जाएगी जिनमें 85 प्लस आयु वर्ग के तीन एवं आठ दिव्यांग मतदाता शामिल हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा ने बताया कि विदिशा जिले में होम वोटिंग सुविधा के लिए 85 प्लस आयु वर्ग के 6423 मतदाताओं ने 12 डी फार्म प्राप्त किए थे तथा 10499 दिव्यांग मतदाताओं ने 12 डी फार्म प्राप्त किए थे। जांच परीक्षण उपरांत 85 प्लस आयु वर्ग के 228 मतदाता तथा 78 दिव्यांग मतदाता इस प्रकार कुल 306 मतदाता होम वोटिंग के लिए वैद्य पाए गए हैं।

लोकसभा निर्वाचन में अधिकाधिक मतदान हेतु चलाया जा रहा है जागरूकता अभियान

रायसेन (निप्र)। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 में जिले में अधिक से अधिक मतदान के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे के निर्देशानुसार स्वीप प्लान के तहत सम्पूर्ण जिले में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता गतिविधियों में रैली, चित्रकला, रंगोली, पोस्टर, मानव श्रृंखला आदि के माध्यम से लोकसभा आम निर्वाचन में अधिक से अधिक मतदान का संदेश दिया जा रहा है। जिले के उदयपुरा विधानसभा अंतर्गत बरेली नगर के विभिन्न वार्डो में नगर परिषद के अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा बाईक रैली निकालकर मतदाताओं को आगामी 26 अप्रैल को मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। उदयपुरा विधानसभा के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा सहायिकाओं द्वारा विभिन्न जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से महिला मतदाताओं को शत-प्रतिशत मतदान करने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

प्रेक्षकों की उपस्थिति में विदिशा संसदीय क्षेत्र अंतर्गत विधानसभावार ईवीएम मशीनों का द्वितीय रेण्डमाइजेशन सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 हेतु संसदीय क्षेत्र 18-विदिशा अंतर्गत सभी आठों विधानसभाओं के लिए ईवीएम मशीनों का द्वितीय रेण्डमाइजेशन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सामान्य प्रेक्षक आईएएस श्री सूरज कुमार तथा पुलिस प्रेक्षक आईपीएस श्री जी.विजया कुमार की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कलेक्टर एवं रिटर्निंग अधिकारी श्री अरविंद दुबे ने सभाकक्ष में उपस्थित अभ्यर्थियों तथा उनके प्रतिनिधियों को ईवीएम मशीनों की रेण्डमाईजेशन की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। रेण्डमाइजेशन की यह प्रक्रिया निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सॉफ्टवेयर के माध्यम से पूर्ण की जाती है। विदिशा संसदीय क्षेत्र में शामिल विधानसभा क्षेत्र 141-भोजपुर में 310 मतदान केन्द्रों के लिए रिजर्व सहित 372 बीयू, 372 सीयू तथा 403 व्हीव्हीपीएटी, विधानसभा क्षेत्र 142-सांची के लिए रिजर्व सहित 398 बीयू, 398 सीयू तथा 431 व्हीव्हीपीएटी, विधानसभा क्षेत्र 143-सिलवानी के लिए 331 बीयू, 331 बीयू तथा 356 व्हीव्हीपीएटी, विधानसभा क्षेत्र 144-विदिशा के लिए 330 बीयू, 330 सीयू तथा 357 व्हीव्हीपीएटी, विधानसभा क्षेत्र 145-बासोदा के लिए 313 बीयू, 313 सीयू तथा 339 व्हीव्हीपीएटी, 156-बुधनी के लिए 435 बीयू, 435 सीयू तथा 471 व्हीव्हीपीएटी, 158-इछावर के लिए 330 बीयू, 330 सीयू तथा 357 व्हीव्हीपीएटी और 173-खातेगांव के लिए 346 बीयू, 289 बीयू तथा 375 व्हीव्हीपीएटी मशीनों का रेण्डमाइजेशन किया गया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मुकेश सिंह सहित सभी सहायक रिटर्निंग अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सामान्य प्रेक्षक निर्वाचन तैयारियों से अवगत हुए

विदिशा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 18 विदिशा के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक श्री सूरज कुमार ने मंगलवार को विदिशा की विधानसभाओं में लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर किए गए प्रबंधो का जायजा लिया है। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने अपने चेम्बर में प्रेक्षक श्री सूरज कुमार को गुलदस्ते भेंट करने के उपरांत निर्वाचन संबंधी तमाम जानकारियों को सांझा किया है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा, संयुक्त कलेक्टर श्री विनीत तिवारी मौजूद रहें। कलेक्टर श्री वैद्य ने लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 18 विदिशा के अंतर्गत आने वाली दोनो विधानसभाएं क्रमशः विदिशा एवं बासौदा में मतदान प्रक्रिया को सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराए जाने हेतु किए गए प्रबंधो, मतदानकर्मियों को मुहैया कराए जा रहे प्रशिक्षण के अलावा डाकमत पत्र व ईडीसी तथा अति आवश्यक सेवा की श्रेणी में शामिल विभागो के मतदानकर्मियों को जारी होने वाले डाकमत पत्रों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारियां सांझा की है। कलेक्टर श्री वैद्य ने बताया कि विदिशा जिले की विधानसभाओं में 12डी से सहमति प्राप्ति के उपरांत 306 मतदाताओ ने घर से मतदान करने की सहमति प्रदाय की थी। जिनका परीक्षण किया गया है जिसमें 85 आयु वर्ग से अधिक के 228 मतदाता एवं 78 दिव्यांग मतदाता भी शामिल है। इन मतदाताओं को घर पर मतदान करने की सुविधा 30 अप्रैल एवं एक मई को मुहैया कराई जाएगी। इसके लिए रूटचार्ट, मतदानकर्मी, माइक्रोआब्जर्वर, सुरक्षा के लिए पुलिस बल इत्यादि की तैनाती की जा चुकी है। पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला ने संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली दो विधानसभाएं क्रमशः विदिशा एवं बासौदा में लोकसभा निर्वाचन के मददेनजर आयोग के दिशा निर्देशानुसार सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए तमाम प्रबंध सुनिश्चित किए गए है उन्होंने जिले की सीमावर्ती चैराहो पर जांच पड़ताल के लिए तैनात एसएसटी, व्हीएसटी के द्वारा की जा रही कार्यवाही से अवगत कराया है। पुलिस अधीक्षक श्री शुक्ला ने प्रेक्षक श्री सूरज कुमार को मतदान पूर्व सुरक्षा के प्रबंध, मतदान दिवस और मतदान के उपरांत निर्वाचन सामग्री स्ट्रांगरूम में जमा कराए जाने के लिए किए गए सुरक्षात्मक प्रबंधो पर गहन प्रकाश डाला है। अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने निर्वाचन कार्यो के लिए गठित विभिन्न प्रकोष्ठो के नोडल अधिकारियों द्वारा संपादित किए जा रहे कार्यो के साथ-साथ मतदानकर्मियों के लिए आयोजित हो रहे प्रशिक्षण, डाकमत पत्र, ईडीसी के अलावा मतदानकर्मियों को निर्वाचन सामग्री के वितरण व वापसी के लिए ईजाद की गई प्रक्रिया के संबंध में गहन प्रकाश डाला है। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा ने निर्वाचन आयोग को समयावधि में प्रेषित किए जाने वाले पत्राचारो और एप पर दर्ज की जाने वाली जानकारियों से अवगत कराया है।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...

प्रदेश में 244 करोड़ मूल्य की विभिन्न सामग्री जब्त

इंदौर। लोकसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही आचार संहिता प्रभावी हो गई थी। इसके साथ पूरे प्रदेश में पुलिस और अन्य एनफोर्समेंट एजेंसियों द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। 37 दिन में प्रदेश में 244 करोड़ से अधिक की सामग्री जब्त की गई। वहीं 19 करोड़ से अधिक की नगदी भी जब्त हुई। इंदौर जिले में भी विभिन्न एजेंसियों द्वारा लाखों रुपये जब्त किए गए है।लोकसभा चुनाव की आचार संहिता 16 मार्च को प्रभावी हुई थी। इस दौरान पूरे प्रदेश में अलग-अलग टीमें सक्रिय हो गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन-2024 की आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील होने के बाद पुलिस एवं अन्य एनफोर्समेंट एजेंसियों द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। 16 मार्च से 22 अप्रैल तक प्रदेश में 19 करोड़ 54 लाख 85 हजार 81 रुपये नगद राशि जब्त की गई। वहीं 244 करोड़ 55 लाख 10 हजार 762 रुपये मूल्य की विभिन्न सामग्री भी जब्त की गयी हैं।गौरतलब है कि लोकसभा निर्वाचन-2019 में आदर्श आचरण संहिता के दौरान 85 करोड़ 12 लाख रुपये मूल्य की विभिन्न सामग्री जब्त की गयी थीं। लोकसभा निर्वाचन-2024 की आदर्श आचरण संहिता अवधि में मात्र 37 दिन में ही गत लोकसभा निर्वाचन की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक मूल्य की विभिन्न अवांछित सामग्री की जब्ती की जा चुकी हैं। 22 अप्रैल तक 22 लाख 72 हजार 657 लीटर से अधिक मदिरा भी जब्त की गयी है, जिसका मूल्य 33 करोड़ 77 लाख 34 हजार 911 रुपये है। इसी तरह 22 करोड़ 23 लाख 46 हजार 953 रुपये मूल्य के 16 हजार 715 किलोग्राम से अधिक ड्रग्स और 11 करोड़ 59 लाख 64 हजार 619 रुपये मूल्य की 2 हजार 144 किलोग्राम से अधिक कीमती धातुएं भी जब्त की गई हैं। साथ ही 157 करोड़ 39 लाख 79 हजार 198 रुपये मूल्य की अन्य मूल्यवान सामग्री भी जब्त की गई हैं।

इंदौर जिले में 3471 लाइसेंसी शस्त्र जमा होना शेष

इंदौर। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने के साथ ही इंदौर जिले में लाइसेंसी शस्त्रों को जमा कराया जा रहा है। शहरी क्षेत्र की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में सभी लाइसेंसी शस्त्र जमा हो चुके हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में 2898 शस्त्र और शहरी क्षेत्र में 2126 शस्त्र जमा किए गए हैं। शहरी क्षेत्र में 771 लोगों को शस्त्र जमा कराने से छूट दी गई है, जबकि ग्रामीण क्षेत्र में 49 लोगों को छूट मिली है। जिले में 3471 लाइसेंसी शस्त्र जमा होने शेष हैं। इसमें ग्रामीण क्षेत्र में सिर्फ एक शस्त्र बाकी है।इंदौर जिले में 9376 लाइसेंसी शस्त्र हैं, जिन्हें आचार संहिता के दौरान थानों में जमा करना होगा। पूरे जिले में 5016 लाइसेंसी शस्त्र ही जमा हो सके हैं। जिले में 820 लाइसेंसी शस्त्रों को जमा करने से छूट दी गई है। 19 लाइसेंस जब्त और 50 निरस्त किए गए। 13 मई को लोकसभा चुनाव है। अपर कलेक्टर रोशन राय का कहना है कि जिले में लाइसेंस जमा कराने का कार्य किया जा रहा है। शस्त्र जमा करने से छूट का आवेदन देने वालों की सुनवाई कर जरूरी होने पर छूट दी जा रही है। इंदौर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में 2954 लाइसेंसी शस्त्र हैं। 2898 शस्त्र जमा हो चुके हैं। पांच शस्त्र जब्त किए गए और एक लाइसेंस निरस्त किया गया है। 49 लाइसेंसी शस्त्रों को जमा करने से छूट प्रदान की गई है। एक शस्त्र अब तक जमा नहीं हुआ है। शहरी क्षेत्र में 6422 लाइसेंसी शस्त्र और 2126 जमा हो चुके हैं। वहीं 771 शस्त्रों को जमा करने से छूट दी गई है। 3470 शस्त्र जमा होना शेष है। प्रदेश में 16 मार्च से आचार संहिता प्रभावशील होने के बाद से लाइसेंसी शस्त्रों को जमा कराया जा रहा है। प्रदेश में अब तक 2 लाख 73 हजार 432 लाइसेंसी शस्त्र विभिन्न थानों में जमा करा लिए गए हैं। प्रदेश में 792 शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त किए गए हैं। वहीं कार्रवाई के दौरान अब तक 3344 अवैध हथियार जब्त किए गए हैं।

मतदान का संदेश अंकित करेगी बिजली कंपनी

इंदौर। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने दावा किया है कि मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने का काम वह अपने बिलों के जरिए करेगी। कंपनी ने घोषणा की है कि अप्रैल माह में जारी होने वाले सभी बिजली बिलों पर मतदान करने की अपील के विज्ञापन छापे जाएंगे। एक अप्रैल से 24 अप्रैल के बीच जारी होने वाले बिलों पर ये विज्ञापन जारी होंगे। ये बात अलग है कि बिजली कंपनी दो वर्षों से बिजली के बिल ही नहीं छाप रही हैं।भारत निर्वाचन आयोग के आदेश के अनुसार, बिजली कंपनी ने बिलों पर मतदान की अपील छापने की बात कही है। बिजली कंपनी का दावा है कि 35 लाख से ज्यादा बिजली बिलों पर यह अपील छापी जाएगी। हालांकि बिजली कंपनी के इस दावे पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। कम से कम दो वर्ष से बिजली कंपनी ने बिल छापना ही बंद कर दिया है। उपभोक्ताओं की तमाम आपत्तियों के बावजूद कंपनी छपे हुए बिल ही नहीं दे रही।पहले इंदौर शहर में यह व्यवस्था लागू की थी। बाद में उसे पूरे उज्जैन-इंदौर संभाग के जिलों में लागू कर दिया। ज्यादातर उपभोक्ताओं के पास सिर्फ मासिक देयक के एसएमएस ही पहुंच रहे हैं। हालांकि बिजली कंपनी सफाई दे रही है कि उपभोक्ताओं को व्हाट्सएप पर पीडीएफ भेजी जा रही है। ऐसे में इस पीडीएफ फॉर्मेट में अपील छापी जाएगी। हालांकि पीडीएफ कितने उपभोक्ताओं को मोबाइल पर पहुंच रही है इसका सही-सही आंकड़ा बिजली कंपनी के पास नहीं है। और तो और जोनों से शिकायत मिल रही है कि उन्हें कंपनी कागज ही नहीं दे रही कि वे उपभोक्ता के मांगने पर खिड़की से ही बिल प्रिंट कर दे दें। इस बीच गर्मियों में इंदौर में बिजली गुल होने की शिकायतें बढ़ रही है। गुरुवार को मालवा मिल जोन, इलेक्ट्रॉनिक काम्प्लेक्स जोन से लगे क्षेत्रों नंदा नगर, परदेशीपुरा, जनता क्वाटर्स, क्लर्क कालोनी जैसे तमाम क्षेत्रों में सुबह से बिजली गुल हो गई। तीन घंटे में क्षेत्र में पांच से छह बार बिजली गुल हुई। कंपनी क्षेत्र में केबल फाल्ट होने की बात कर रही है। एक दिन पहले मालवीय नगर व आसपास के क्षेत्रों में पांच घंटे से ज्यादा बिजली गुल रही।

खौफ में मतदान कर्मी

इंदौर। 13 मई को इन्दौर में होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर प्रशासन अपने स्तर पर तैयारी में जुटा हुआ है। लगभग 11 हज़ार कर्मचारियों को मतदान दलों के रूप में नियुक्त किया गया है। शहरी सहित ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान कराने जाने वाले कर्मचारियों को मच्छरों और गर्मी का डर सताने लगा है। मच्छरों के खौफ को कम करने कर्मचारी संघ ने कलेक्टर को ज्ञापन देते हुए व्यवस्थाओं के लिए निवेदन किया है। कलेक्टर ने कहा कि बेख़ौफ़ ड्यूटी करें, व्यवस्थाएं मेरे हाथ में है, डरे नहीं।लोकसभा निर्वाचन के लिए जिला प्रशासन की टीम व्यवस्था में जुटी हुई है। सामग्री वितरण से लेकर मतदान केंद्रों तक पर व्यवस्थाएं चाक चौबंद की जा रही हैं। जिले में मतदान की प्रक्रिया संपन्न करने के लिए लगभग 15 हजार कर्मचारियों को उनकी ड्यूटी सौंप दी गई है, वहीं पिछले दिनों होलकर कॉलेज में निर्वाचन में लगने वाले कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। ट्रेनिंग के दौरान उपस्थित रहने वाले कर्मचारियों ने निर्वाचन में खुशी-खुशी अपनी जिम्मेदारी पूरी करने की बात कही, लेकिन मतदान केंद्रों पर रात बिताने के दौरान मच्छरों और गर्मी का खौफ उन्हें सता रहा है। ऐसे में कई कर्मचारियों ने संघ के पदाधिकारियों को सूचित किया कि वह परेशान हैं, क्योंकि जिले में छोटे-छोटे मच्छरों का काफी प्रकोप है। शहरी क्षेत्र में तो व्यवस्थाएं की जा सकती हैं, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ता है। शासकीय अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा ने कलेक्टर को ज्ञापन देते हुए समस्या से अवगत कराया। कर्मचारी संघ के हरीश बोयत, रमेश यादव, प्रवीण यादव एक प्रतिनिधिमंडल के साथ कलेक्टर आशीष सिंह से मिले एवं निर्वाचन में लगे मतदान कर्मियों को मच्छरों से बचाव हेतु ओडोमॉस क्रीम, ऑल-आउट या मच्छरदानी की व्यवस्था करने का अनुरोध किया। हरीश बोयत ने बताया कि ठंडे जल हेतु मटके तथा गर्मी से बचाव हेतु पंखे अथवा कूलर रखवाने का अनुरोध किया गया है। कलेक्टर ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि कर्मचारियों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

राहुल गांधी को अपनी भाषा के लिए माफी मांगना चाहिए- मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस की पूर्व विधायक चंद्रभागा किराड़े को दिलाई भाजपा की सदस्यता। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी की देश में आंधी चल रही है, सभी विपक्षी दल धराशाई हो रहे हैं।कलेक्टर ऑफिस के बाहर बने विशाल पांडाल में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस के राहुल गांधी ने जिस तरह की भाषा कर रहे हैं, वह अच्छा नहीं है। उन्हें अपने कथन के लिए माफी मांगनी चाहिए। वह विरासत पर कर की बात करते हैं, तो सबसे पहले विरासत पर कर नेहरू-गांधी परिवार पर लगना चाहिए था। भारत में चुनाव लड़ते हैं और अमेरिका की बात है। भगवा हमारी आस्था का और संस्कृति का रंग है।

यह हिंदू-मुस्लिम की बात करते हैं। विभाजन यह कर रहे हैं। हमें पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम जैसे मुस्लिम चाहिए जो देश को आगे बढ़ाएं, न कि देश का विभाजन करे।नया रिकार्ड बनाएं उन्होंने कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता अपने स्तर पर काम करे और मोदीजी को जीत दिलाने के लिए काम करे। हर तरफ यह गूंज है अबकी बार 400 पार। हम इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अपना योगदान दें और नया रिकॉर्ड बनाएं।इंदौर ने ताई सुमित्रा महाजन को रिकॉर्ड आठ बार लोकसभा में पहुंचाया। अब इंदौर शंकर लालवानी को भी रिकार्ड मतों से जीत दिलाएंगे। जिस तरह का रैली में उत्साह नजर आ रहा है, उससे लग रहा है कि 13 मई को मतदान के दिन बड़ा रिकॉर्ड बनेगा।

मतदान का प्रतिशत बढ़ाकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बीएलओ होगें पुरस्कृत

● घर-घर जाकर मतदाताओं को मतदान के लिए किया जायेगा निमंत्रित

इंदौर। इंदौर जिले में लोकसभा निर्वाचन के दौरान मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह के निर्देशन में लगातार नवाचार और अनूठी पहल हो रही है। इसी के तहत मतदान का प्रतिशत बढ़ाकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बीएलओ को पुरस्कृत किया जायेगा। बीएलओ को आँगनवाडी कार्यकर्ता और सहयोगियों के साथ घर-घर जाकर मतदाताओं को मतदान के लिए निमंत्रित करने के निर्देश दिये गये है। जिला पंचायत के सीईओ तथा स्वीप के नोडल अधिकारी सिद्धार्थ जैन ने बताया कि इस संबंध में गत दिवस बूथ लेवल अधिकारी(बीएलओ) की बैठक ली गई। बैठक में उन्हें मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के संबंध में विस्तार से दिशा-निर्देश दिये गये। बताया गया कि मतदान केन्द्रों पर गर्मी को देखते हुये मतदाताओं की सुविधाओं के लिए अनेक व्यवस्थाएं की जायेगी।

इन्दौर जिले में अनुपयोगी सूखे बोरवेल को सुरक्षित बंद करवाने की प्रभावी कार्यवाही

बोरवेल खुले पाये जाने पर मालिक के विरूद्ध होगी एफआईआर दर्ज

इंदौर। इंदौर जिले में अनुपयोगी सूखे बोरवेल को बंद करवाने के लिए कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में प्रभावी कार्यवाही की गई है। जिले में पिछले दिनों एक अभियान चलाकर 390 बोरवेल बंद करवाये गये है। चेतावनी दी गई है कि अगर कहीं बोरवेल खुले पाये जायेगें तो संबंधित मालिक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई जायेगी। उल्लेखनीय है कि रीवा जिले में पिछले दिनों अनुपयोगी बोरवेल में मासूम बच्चे के गिरने की हुई घटना को दृष्टिगत रखते हुये कलेक्टर सिंह के निर्देश पर अनुपयोगी बोरिंग को बंद करवाए जाने का अभियान शुरू किया गया। अभियान के तहत जिले में अब तक अनुपयोगी 390 बारेवले बंद करवाए गए है। जिला पंचायत इन्दौर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने बताया कि जनपद पंचायतो को क्षेत्र में सूखे बोरवेल की पहचान कर इन्हे विभिन्न उपायों से सुरक्षित कवर करवाने के लिये निर्देशित किया गया था। इन्दौर जिले के ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत सहायक अभियंता एवं उपयंत्रियो के दल द्वारा गत 18 अप्रैल से 24 अप्रैल तक ग्रामीण क्षेत्रो में निरीक्षण किया गया। 390 सूखे बोरवेल खुले पाये गये। इन सभी बोरवेल को बंद करवाने की कार्यवाही की गई। सिद्धार्थ जैन ने बताया कि जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अब खुले बोरवेल को सुरक्षित करवाने संबंधी प्रमाण पत्र सभी ग्राम पंचायतों से प्राप्त करें। उनसे लिखित में लेवे की उनकी ग्राम पंचायत में अब कोई भी सूखा बोरवेल असुरक्षित खुला नहीं है। अब यदि खुले बोरवेल पाये जाते है तो ऐसे बोरवेल के मालिक के विरूद्ध एफआईआर भी दर्ज कराई जाये।

बगैर काम बांटे 17 करोड़ रुपये, ड्रेनेज विभाग से 13 फाइलें जब्त, पांचों आरोपियों के गिरफ्तारी वारंट जारी

इंदौर। नगर निगम का ड्रेनेज विभाग रोज घोटाला उगल रहा है। इस बार 17 करोड़ के घोटाले की फाइलें मिली हैं। इसमें उन्हीं ठेकेदारों और कर्मचारी-अधिकारियों का हाथ है जो 28 करोड़ 76 लाख रुपये के घोटाले में शामिल हैं। पुलिस ने 13 मूल फाइलें जब्त भी कर ली हैं। मंगलवार को ही पुलिस ने 4 करोड़ रुपये का घोटाला पकड़ा था।बुधवार को सामने आए 17 करोड़ के इस नए घोटाले में भी नगर निगम में बगैर काम के ठेकेदारों को भुगतान किया है। फाइलों पर उन्हीं अधिकारियों एवं कर्मचारियों के हस्ताक्षर और सीलें हैं, जिन्होंने 28 करोड़ रुपये के जाली बिलों को स्वीकृति दी थी। एमजी रोड टीआइ विजय सिंह सिसोदिया के मुताबिक पुलिस आरोपी रेणु बढ़ेरा, राहुल बढ़ेरा, मोहम्मद सिद्दीक, मो. साजिद और मो. जाकिर के बैंक खातों की जांच कर रही थी।इसी दौरान पुलिस को स्टेटमेंट में करोड़ों रुपयों की एंट्री मिली जो जमा होते ही निकाल लिए गए थे। पुलिस ने एंट्री के आधार पर नगर निगम से फाइलें मांगी तो पता चला ठेकेदारों ने फर्जी तरीके से रुपये निकाले है। बुधवार को पुलिस ने अधिकारियों से ब्योरा मांगा और 13 फाइलों को कब्जे में ले लिया। आरोपियों ने इन फाइलों में द्रविड़ नगर, सुदामा नगर (ई-सेक्टर) ताजनगर, तुलसी नगर, कनाडिया(जागीरदार के सामने) ड्रेनेज लाइन डालने और विभिन्न जगहों पर ध्वस्त लाइन सुधारने के नाम पर बिल तैयार किए है। रहवासियों के साथ फोटो भी अटैच किए। पूरी प्रक्रिया इस तरह हुई कि कोई शक नहीं हुआ। अफसर भी आंख मूंद कर हस्ताक्षर करते रहे। खास बात यह इन फाइलों में भी वर्ष 2016 से 2018 के मध्य कार्य पूर्ण करना दर्शाया है और स्वीकृति उन्हीं अधिकारी व कर्मचारियों ने दी थी। आरोपियों ने इस भुगतान के बाद एक करोड़ 82 लाख रुपये जीएसटी के रूप में जमा किए हैं। आरोपियों की तलाश की, लेकिन घरों से फरार मिले। कुर्की की प्रक्रिया के लिए संपत्ति की जानकारी जुटाई है। खंडवा, खातेगांव, मदीना नगर और निपानिया में मकान, प्लाट और फार्म हाउस की जानकारी मिली है। आरोपियों की जिला कोर्ट से अग्रिम जमानत खारिज हो चुकी है। गुरुवार को हाई कोर्ट में सुनवाई होना है। पुलिस ने बुधवार को पांचों आरोपियों के जिला कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट जारी करवा दिए।

जमीनों से सरकार को 2400 करोड़ मिले

इंदौर। रियल इस्टेट कारोबार इंदौर के साथ-साथ उज्जैन, रतलाम सहित कई जिलों में बीते साल भर में तेजी से बढ़ा है, जिसके चलते शासन को शराब ठेकों से चार गुना ज्यादा आय सम्पत्तियों के पंजीयन यानी स्टाम्प ड्यूटी से हासिल हुई है। अभी समाप्त हुए वित्त वर्ष में पंजीयन विभाग की दर वृद्धि 16.08 प्रतिशत रही, तो आबकारी विभाग की दर वृद्धि सिर्फ 4.42 फीसदी ही थी। इंदौर पंजीयन विभाग को भी शासन से इस चालू वित्त वर्ष का राजस्व अर्जित करने का लक्ष्य हासिल होगा, जो कि 2800 करोड़ से अधिक ही रहेगा। अभी अप्रैल के माह में भी बढ़ी हुई गाइडलाइन के साथ अच्छी संख्या में रजिस्ट्रियां हो रही हैं। बीते वित्त वर्ष में अकेले इंदौर से 2415 करोड़ रुपए का राजस्व इंदौर से शासन को हासिल हुआ और पौने 2 लाख से अधिक सम्पत्तियों की रजिस्ट्रियां हुईं। यहां तक कि अवकाश के दिनों में भी दफ्तर चालू रहे और रंगपंचमी पर भी रजिस्ट्रियां की गईं, वहीं पूरे प्रदेश में पंजीयन से गत वित्त वर्ष में 10320 करोड़ का राजस्व मिला, जबकि उसके पूर्व के वर्ष में यह 8890 करोड़ ही था। उसकी तुलना में अगर आबकारी विभाग की बात करें तो 2022-23 में प्रदेशभर के शराब ठेकों से 13 हजार 5 करोड़ रुपए हासिल हुए थे, तो अभी समाप्त हुए वित्त वर्ष में उसे 13580 करोड़ रुपए ही मिल सके। यानी मात्र 4.42 प्रतिशत की वृद्धि ही राजस्व में हुई, जबकि उसकी तुलना में पंजीयन विभाग की वृद्धि दर 4 गुना ज्यादा तक रही।दूसरी तरफ शराब ठेकों को नीलाम करने में शासन को पसीने भी छूटे, क्योंकि इंदौर सहित कई जिलों के ठेके अब अत्यधिक महंगे हो गए हैं। इसके मायने यह हुए कि इंदौर सहित कई जिलों में बीते सालभर अचल सम्पत्ति के कारोबार में जो तेजी आई उसके परिणाम स्वरूप स्टाम्प ड्यूटी से मिलने वाली आय में अच्छा-खासा इजाफा हुआ। इंदौर के वरिष्ठ जिला पंजीयक दीपक शर्मा का कहना है कि आज भोपाल मुख्यालय से इंदौर जिले को लक्ष्य हासिल होगा। यानी इस चालू वित्त वर्ष में कितनी कमाई करना है उसका विभागीय लक्ष्य दिया जाएगा। गत वर्ष चूंकि 2400 करोड़ रुपए से अधिक की आय हुई थी। लिहाजा 2800-2900 या 3000 करोड़ रुपए तक का लक्ष्य भी मिल सकता है। अभी इस अप्रैल माह में भी अच्छी संख्या में रजिस्ट्रियां हो रही है और लगभग 95 करोड़ रुपए का लक्ष्य हासिल हो गया है। अरबों रुपए कमाते हैं,लेकिन पंजीयन कार्यालयों में बैठने तक की सुविधाएं नहींज सर्वर से घंटों परेशानी जमीनों के पंजीयन से सरकार को जहां सर्वाधिक आय प्राप्त हो रही है, वहीं जमीनों की रजिस्ट्रियां कराकर सरकार को सर्वाधिक राजस्व देने वाले पंजीयन कार्यालयों की हालत यह है कि वहां लोगों के बैठने की कोई सुविधा नहीं है। यहां तक कि बुजुर्गों को घंटों खड़े रहने तक इंतजार करना पड़ता है। जमीन पंजीयन में वैसे तो पांच मिनट से भी कम वक्त लगता है, लेकिन सर्वर के ठप हो जाने के चलते घंटों लोगों को परेशान होना पड़ता है।

राऊ सर्कल पर पुल के नीचे बनेगी रोटरी

इंदौर। राऊ जंक्शन पर बनाए जा रहे सिक्स लेन फ्लायओवर के नीचे रोटरी भी बनाई जाएगी। इसका प्रावधान है। मई में फ्लायओवर का काम पूरा हो जाएगा। पिलर और स्लैब संबंधी सभी काम पूरे हो गए हैं। अब केवल रोटरी और ब्रिज के दोनों तरफ की आरई वॉल का काम बाकी है। माना जा रहा है कि मई में तैयार होने के बाद जून में राऊ जंक्शन फ्लायओवर का औपचारिक उद्घाटन होगा और फिर इसे आम वाहनों के लिए खोल दिया जाएगा।

राऊ फ्लायओवर का निर्माण करीब डेढ़ साल से हो रहा है और इसके निर्माण पर नेशनल हाईवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) करीब 30 करोड़ रुपए खर्च कर रही है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि फ्लायओवर के नीचे जंक्शन के मध्य भाग में वाहनों की आवाजाही के लिए सुगमता के लिए रोटरी बनाना जरूरी है। राऊ जंक्शन काफी बड़ा है, क्योंकि वहां इंदौर बायपास, इंदौर-खलघाट फोर लेन, राऊ-पीथमपुर रोड के अलावा इंदौर की शहरी एबी रोड मिलती है। ब्रिज बनने से इंदौर बायपास से इंदौर-खलघाट की तरफ आने-जाने वाले वाहन राऊ जंक्शन से बिना किसी व्यवधान या ट्रैफिक जाम के गुजर सकेंगे। महू तरफ की आरई वॉल बाकी राऊ जंक्शन फ्लायओवर की इंदौर बायपास तरफ की आरई-वॉल का ज्यादातर काम पूरा हो गया है। अब केवल महू तरफ की आरई-वॉल बनना बाकी है। यह काम भी मई की शुरुआत में पूरा हो जाएगा। रोटरी भी मई के दूसरे पखवाड़े में बनकर तैयार होगी। इस फ्लायओवर की फिनिशिंग के भी काफी काम होंगे, क्योंकि एनएचएआई इसे शहर का एंट्री पॉइंट मानकर उसका सौंदर्यीकरण करवा रही है।

औद्योगिक क्षेत्र में बढ़ रहे अपराधों के खिलाफ उद्योगपतियों ने उठाई आवाज

इंदौर। शहर के औद्योगिक क्षेत्रो में बढ़ते अपराधों के कारण उद्योगपतियों और उनके स्टाफ को हमेशा जान माल का खतरा बना रहता है। इससे परेशान हो कर कल स्थानीय उद्योग संचालको ने ऐसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्री मध्य प्रदेश के पदाधिकारियों के साथ भंवरकुआं थाने पर ज्ञापन देकर बढ़ते अपराधों पर अंकुश लगाने की मांग की है।एसोसिएशन ऑफ इंडस्टीज मध्यप्रदेश के सचिव तरूण व्यास और पालदा औद्योगिक संगठन के सचिव हरीश नागर ने बताया कि पालदा औद्योगिक क्षेत्र, नेमावर रोड के तीन इमली चौराहा सहित ओवरब्रिज से लेकर देवगुराडिया के बायपास ब्रिज के मध्य इलाकों मेंअसामाजिक और आपराधिक तत्वों द्वारा आए दिन आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। इससे क्षेत्र में भय एवं असुरक्षा का वातावरण निर्मित हो रहा है। बढ़ते अपराधों के खिलाफ कल उद्योग संचालकों ने और संगठन के पदाधिकारियों इसके खिलाफ थाना प्रभारी के अनुपस्थिति में सबइंस्पेक्टर आनंद राय को ज्ञापन देते हुए कार्रवाई करने की मांग की। उद्योगपतियों ने बताया कि मालदा औद्योगिक क्षेत्र और नेमावर रोड के इस मार्ग पर असामाजिक तत्वों द्वारा षडयंत्र अथवा साजिश करते हुए क्षेत्रीय उद्योगपतियों, औद्योगिक श्रमिकों और अन्य वाहन चालकों को जानबूझ कर वाहन से टक्कर मारकर गिराया जाता है। फिर उन्हें गंभीर चोट लगने का ड्रामा करते हुए इलाज कराने और समझौता करने के नाम पर जबरदस्ती रुपये ऐंठे जाते है।

रेलवे चलाएगा दो स्पेशल ट्रेन

गर्मी की छुट्टी के कारण बढ़ रही यात्रियों की अतिरिक्त

इंदौर। अतिरिक्त भीड़ के कारण दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन स्पेशल किराया के साथ ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के दौरान ट्रेनों में अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के दोनों दिशाओं में एक-एक ट्रिप का परिचालन स्पेशल किराया के साथ किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 09137/09138 वापी भागलपुर रतलाम स्पेशल- गाड़ी संख्या 09137 वापी भागलपुर स्पेशल 25 अप्रैल, 2024 को वापी से 22.00 बजे चलकर रतलाम मंडल के रतलाम(06.00/06.10 शुक्रवार) एवं उज्जैन(07.55/08.00) होते हुए 27 अप्रैल, 2024 शनिवार को 12.40 बजे भागलपुर पहुँचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09138 भागलपुर रतलाम स्पेशल 27 अप्रैल, 2024 शनिवार को भागलपुर से 15.45 बजे चलकर रतलाम मंडल के उज्जैन(20.29/20.34, रविवार) होते हुए रविवार को 23.00 बजे रतलाम स्टेशन पहुँचेगी। इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, किऊल, अभयपुर, जमालपुर एवं सुल्तानपुर स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है। गाड़ी संख्या 09137 वापी भागलपुर स्पेशल का वलसाड, उधना, सूरत, सायण, भरूच, वडोदरा, गोधरा एवं रतलाम स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है। इस ट्रेन में स्लीपर एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे। गाड़ी संख्या 09029/09030 बान्द्रा टर्मिनस दानापुर रतलाम स्पेशल- गाड़ी संख्या 09029 बान्द्रा टर्मिनस दानापुर स्पेशल 25 अप्रैल, 2024 गुरुवार को बान्द्रा टर्मिनस से 21.40 बजे चलकर रतलाम मंडल के रतलाम(07.00/07.05, शुक्रवार), नागदा(07.45/07.47) एवं उज्जैन(09.00/09.05) होते हुए 27 अप्रैल, 2024 को 10.55 बजे दानापुर स्टेशन पहुँचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 09030 दानापुर रतलाम स्पेशल दानापुर से 14.00 बजे चलकर रतलाम मंडल के उज्जैन(14.02/14.07, रविवार) एवं नागदा(15.07/15.09) होते हुए 28 अप्रैल, 2024 रविवार को 16.00 बजे पहुँचेगी। इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में नागदा, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, पं. दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर एवं आरा स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है। गाड़ी संख्या 09029 बान्द्रा टर्मिनस दानापुर स्पेशल का बोरीवली, बोईसर, वापी, वलसाड, सूरत, सायण, भरुच, वडोदरा, गोधरा एवं रतलाम स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है।

भारत निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक डॉ. आर. सेल्वाराज ने मीडिया मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ का निरीक्षण किया

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इंदौर संसदीय क्षेत्र के लिए नियुक्त प्रेक्षक डॉ. आर. सेल्वाराज ने मीडिया मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह भी उनके साथ थे। प्रेक्षक डॉ. सेल्वाराज ने यहाँ मीडिया सर्टिफिकेशन, इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट तथा सोशल मीडिया निगरानी दल से चर्चा कर निगरानी कार्यों की जानकारी ली। इस अवसर पर संयुक्त संचालक जनसम्पर्क तथा नोडल अधिकारी डॉ. आर.आर. पटेल ने मीडिया मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। बताया गया कि यह प्रकोष्ठ निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार संचालित किया जा रहा है। इस प्रकोष्ठ में 24ङ्क7 लगातार मीडिया सर्टिफिकेशन , इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट तथा सोशल मीडिया निगरानी का कार्य हो रहा है। इसके लिए विभिन्न अधिकारियों/कर्मचारियों सहित विशेषज्ञो को तैनात किया गया है।

गर्मी में पशुओं से सेवा नहीं लेने की अपील

इंदौर। इन्दौर जिले में ग्रीष्म ऋतु में दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से अधिक निरन्तर बना रहता है। पशुओं पर सामग्री (भार) रख कर या सवारी कर उपयोग करने से अथवा पशुओं को तांगे/बैल-गाड़ी/भैसा-गाडी/ ऊंट-गाडी/खच्चर-गाडी/टट्टू-गाडी एवं गधे पर वजन ढोने में उपयोग करने से पशुओं में बीमारी या उनकी मृत्यु भी हो सकती है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग/जिला पशु क्रूरता निवारण समिति द्वारा भार वाहक पशु मालिकों से अपील की गई है कि दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच एवं तापमान का ध्यान रखते हुए पशुओं से सेवा नहीं लेवें।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, शुक्रवार 26 अप्रैल, 2024

संपादकीय | प.बंगाल सरकार को सबक लेने की जरूरत

यह विचित्र है कि एक तरफ तो सरकारी विभागों में खाली पदों पर लंबे समय तक भर्ती की प्रक्रिया शुरू नहीं की जाती और जहां शुरू भी होती है वहां कभी पर्चाफोड़ गिरोह सक्रिय हो जाते हैं, तो कभी संबंधित महकमे के आला अधिकारी और मंत्री तक रिश्वत लेकर भर्तियां करते पाए जाते हैं। शायद ही कोई ऐसा राज्य हो, जहां सरकारी भर्तियों में रिश्वतखोरी और पक्षपात के मामले उजागर न हुए हों। ऐसे भी अनेक उदाहरण हैं, जब भर्तियों में व्यापक अनियमितता के आरोप के चलते उन्हें रद्द करना पड़ा। कई मामलों में मंत्री तक जेल गए। पश्चिम बंगाल का शिक्षक भर्ती घोटाला इसका ताजा उदाहरण है। करीब आठ साल पहले वहां सरकारी स्कूलों में पचीस हजार सात सौ तिरपन शिक्षकों और गैरशिक्षकों की भर्ती के लिए परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें लगभग तेईस लाख अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था।

मगर जब नतीजे आए तो उसमें कई तरह की गड़बड़ियां पाई गई थीं। जिन अभ्यर्थियों के पास न्यूनतम अर्हता भी नहीं थी, वे वरीयता सूची में शीर्ष बीस की श्रेणी में आ गए थे। कई ऐसे लोगों को भी नौकरी दे दी गई, जिन्होंने भर्ती परीक्षा पास ही नहीं की थी। कम अंक पाने वाले भी वरीयता क्रम में ऊपर पहुंच गए थे। इस मामले की शिकायत दो अभ्यर्थियों ने अदालत में की थी, जिसकी सुनवाई करते हुए मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दी गई। उस जांच में धनशोधन का मामला उजागर हुआ और प्रवर्तन निदेशालय ने मामले को अपने हाथ में ले लिया था। उस संबंध में प्रदेश के शिक्षामंत्री पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार कर लिया गया। फिर उनके और करीबी लोगों के ठिकानों पर छापे पड़े तो उनकी करीबी अर्पिता

मुखर्जी को भी शिक्षक भर्ती घोटाले में संलिप्त पाया गया था। उन्हें भी गिरफ्तार किया गया। इन दोनों के ठिकानों से भारी मात्रा में नगदी, जेवर और जायदाद के कागज मिले थे। आरोप था कि उसमें अभ्यर्थियों से पांच से पंद्रह लाख रुपए रिश्वत लेकर भर्ती किया गया था। अब कोलकाता उच्च न्यायालय ने उस भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर दिया और नए सिरे से भर्ती शुरू करने का आदेश दिया है। साथ ही यह भी कहा है कि उस प्रक्रिया के तहत भर्ती होकर नौकरी करने वालों को पिछले सात-आठ वर्षों का सारा वेतन वापस करना पड़ेगा। इस तरह उन लोगों की मनोस्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। हालांकि पश्चिम बंगाल सरकार का कहना है कि उच्च न्यायालय का फैसला अवैध है और वह उस फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देगी तथा शिक्षकों की नौकरी सुरक्षित कराने का प्रयास करेगी। वर्षों पहले हरियाणा में भी इसी तरह शिक्षक भर्ती घोटाले में तत्कालीन मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला को जेल जाना पड़ा था। उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह के कार्यकाल में हुई शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को मायावती ने अनियमितता का आरोप लगाते हुए रद्द कर दिया था। शिक्षकों की भर्ती के अलावा पुलिस भर्ती, पटवारी भर्ती, व्यापार मंडल भर्ती आदि में इसी तरह तरह अनियमितताओं के आरोप लगते रहे हैं।इस तरह सरकारी महकमों के लोग जरूर अपनी जेबें भर लेते हैं, मगर खमियाजा आखिरकार उन मेधावी युवाओं को भुगतना पड़ता है, जो वर्षों मेहनत और लगन से तैयारी करते हैं, मगर उनका हक कोई और ले उड़ता है। आखिर सरकारें इतने उदाहरणों के बावजूद क्यों कोई पारदर्शी और विश्वसनीय भर्ती प्रक्रिया नहीं बना पाई हैं।

सोशल मीडिया से...

मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण सभी भांजे-भांजियों को हृदय से बधाई व उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं! जिनके आशा के अनुरूप परिणाम नहीं आए हैं, वे निराश न हों। फिर एक बार पूरी लगन और मेहनत के साथ तैयारी करें और आगे बढ़ें। आपके हिस्से की सफलता आपका इंतजार कर रही है।

शिवराज सिंह चौहान, पूर्व सीएम

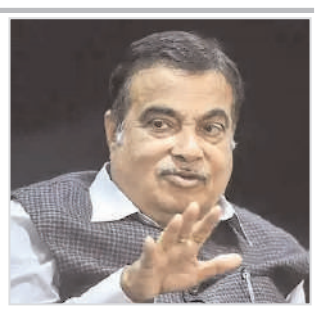

पुसद, महाराष्ट्र में रैली के दौरान गर्मी की वजह से असहज महसूस किया। लेकिन अब पूरी तरह से स्वस्थ हूँ और अगली सभा में सम्मिलित होने के लिए वरूड के लिए निकल रहा हूँ। आपके स्नेह और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद।

नितिन गडकरी, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

लोकसभा सांसद श्री राजवीर दिलेर जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के लोगों के विकास के लिए निरंतर कार्य किया। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति मैं गहन शोक-संवेदना व्यक्त करती हूं।

द्रौपदी मुर्मु
भारत की राष्ट्रपति

दलितों, OBC समाज, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों समेत 90% भारत के साथ भयंकर अन्याय हो रहा है। देशभक्ति इनको न्याय दिलाना है और नरेंद्र मोदी इससे ही घबरा रहे हैं! ये मेरे लिए राजनीतिक मुद्दा नहीं है, ये मेरी लाइफ का मिशन है।

राहुल गांधी, लोकसभा के सदस्य

आज का कार्टून

मोदी ने छोड़ा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास का नारा

अठारहवीं लोकसभा के चुनाव शुरू हो चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह अपनी पार्टी भाजपा के लिए धुंआधार रैलियाँ और रोड शो कर रहे हैं। इन दोनों नेताओं ने चुनावों की घोषणा से एक महीना पहले ही लगभग सारे देश का एक एक बार भ्रमण कर लिया था। दोनों नेता भाजपा सरकार की उपलब्धियां और कार्यक्रम गिनाने के साथ साथ विपक्ष पर कड़े हमले भी कर रहे थे। इन दोनों के हमलों का मुख्य टारगेट राहुल गांधी थे। किसी अन्य नेता का नाम या जिक्र तो दोनों यदा कदा ही करते थे। ईडी-सीबीआई ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और दिल्ली के मुख्यमंत्री को भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल में डाल दिया, तो दोनों की पत्नियां विपक्ष की नुमाईशी नेता बन गईं। कांग्रेस का चुनाव घोषणा पत्र आने के बाद नरेंद्र मोदी ने लीक से हटकर कांग्रेस पर पहला हमला तब किया, जब उन्होंने कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र मुस्लिम लीग का घोषणा पत्र लगता है। मोदी ने न कांग्रेस पर चोट की थी, न मुस्लिम लीग पर चोट की थी और न ही मुसलमानों पर चोट की थी। उन्होंने अपने कोर हिन्दू वोट बैंक को बताया था कि कांग्रेस सिर्फ मुसलमानों के बारे में ही सोचती है, इसलिए हिन्दुओं को उससे सावधान रहने की जरूरत है।

अजय सेतिया

अपने चुनाव घोषणापत्र को कांग्रेस ने न्याय पत्र का नाम दिया है। जिसमें पांच न्याय और 25 गारंटियों का जिक्र है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले बिहार के नवादा में, फिर उत्तरप्रदेश के सहारनपुर में और राजस्थान की पुष्कर रैली में कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र को मुस्लिम लीग का घोषणा पत्र कहा। उन्होंने कहा कि घोषणा पत्र के आधे हिस्से में मुस्लिम लीग की छाप है, तो बाकी के आधे पर वामपंथियों का प्रभाव है।

कांग्रेस ने अपने चुनाव घोषणापत्र में तीन ऐसे वादे किए थे, जो आज़ादी से पहले 1936 के मुस्लिम लीग के घोषणा पत्र में भी थे, उन्हीं तीन मुद्दों के कारण भारत का विभाजन हुआ था। तब गांधी, नेहरू, पटेल की कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के वे तीनों मुद्दे ठुकरा दिए थे। पहला मुद्दा था- मुस्लिम पर्सनल लॉ की गारंटी, जबकि भारतीय जनता पार्टी इसके विपरीत मुस्लिम पर्सनल लॉ को खत्म करके यूनिफॉर्म सिविल कोड का वादा करती है।

दूसरा, 1936 के मुस्लिम लीग के घोषणा पत्र में कहा गया था कि वह बहुसंख्यकवाद के खिलाफ लड़ेगी। इसका मतलब था कि मुस्लिम लीग हिंदुत्ववाद के खिलाफ लड़ेगी। कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र में कहा गया है कि भारत में बहुसंख्यकवाद के लिए कोई जगह नहीं। तीसरा, 1936 के मुस्लिम लीग के चुनाव घोषणा पत्र में कहा गया था कि मुसलमान छात्रों के लिए खास छात्रवृति और नौकरियों के लिए संघर्ष करेंगे। कांग्रेस के 2024 के चुनाव घोषणा पत्र में कहा गया है कि मुस्लिम छात्रों को विदेशों में पढ़ाई के लिए छात्रवृति की व्यवस्था की जाएगी और नौकरियों में आरक्षण दिया जाएगा।

हो सकता है कि यह एक संयोग हो, लेकिन इससे यह तो साबित हो गया कि कांग्रेस की रिसर्च टीम कितनी कमजोर है, और भाजपा की रिसर्च टीम कितनी तेजतर्रार है, जिसने कांग्रेस का घोषणापत्र आते ही मुस्लिम लीग का 88 साल पुराना चुनाव घोषणापत्र खोज निकाला।

अब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का नारा लेकर आगे बढ़ रहे थे, जिन्होंने कई बार दावा किया कि केंद्र सरकार की रसोई गैस उवला योजना, हर घर शौचालय, और प्रधानमंत्री आवास योजनाओं का सबसे ज्यादा लाभ मुस्लिम महिलाओं को हुआ। इसके अलावा मुस्लिम महिलाओं का दिल जीतने के लिए उन्होंने तीन तलाक की प्रथा पर क़ानून बना कर रोक लगाई। उन्होंने युवा मुस्लिमों का दिल जीतने के लिए कई योजनाएं भी शुरू कीं, जैसे मुस्लिम छात्र छात्राओं को फ्री कोचिंग के लिए उड़ान योजना, ग्रेजुएशन करने वाली मुस्लिम लड़कियों को शादी के मौके पर केंद्र सरकार की ओर से 51000 रूपए की शगुन योजना, मुस्लिम कारीगरों को परंपरागत कला और हस्तकला की ट्रेनिंग योजना, हुनर हाट, मुस्लिम युवाओं के लिए सीखो और कमाओ योजना, 5 करोड़ मुस्लिम छात्र छात्रों के लिए प्रधानमंत्री छात्रवृति योजना, हज पर जाने वाले मुसलमानों की संख्या बढ़ाना।

यानी मुसलमानों का दिल जीतने के लिए मोदी ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी, लेकिन देश भर के दौरों में मिले फीडबैक से उन्हें विश्वास हो गया है कि मुस्लिम वोट एकतरफा कांग्रेस और इंडी एलायंस के घटक दलों के साथ जा रहा है, मुस्लिम वोट में सेंधमारी के उनके सारे प्रयास विफल हो गए हैं। इसलिए कांग्रेस के चुनाव घोषणा

पत्र को आधार बनाकर उन्होंने अपने कोर हिन्दू वोट बैंक को सुरक्षित करने के लिए अपने तेवरों को बदलना शुरू किया। कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र के तीन मुद्दों मुस्लिम पर्सनल लॉ की गारंटी, बहुसंख्यकवाद का खात्मा और नौकरियों में मुसलमानों को आरक्षण ने उन्हें अपने तेवर बदलने का मौक़ा दे दिया। कांग्रेस के घोषणा पत्र में बहुसंख्यकवाद के खिलाफ जंग की घोषणा ने सांप्रदायिक और लक्षित हिंसा निवारण विधेयक की याद ताज़ा कर दी। यूपीए शासनकाल में सोनिया गांधी की राष्ट्रीय सलाहाकार परिषद ने इस विधेयक का प्रारूप तैयार किया था, जिसे मनमोहन सरकार संसद से पास करवा कर क़ानून बनाना चाहती थी। बिल का वह प्रारूप अल्पसंख्यकों को तो सुरक्षा प्रदान करता था, लेकिन अल्पसंख्यकों की सांप्रदायिक हिंसा से पीड़ित बहुसंख्यकों को कोई सुरक्षा प्रदान नहीं करता था। बहुसंख्यकों को अपनी बेगुनाही का सबूत देना पड़ता। यह बिल अगर क़ानून बन जाता तो मुसलमानों के हाथ में हिन्दुओं के खिलाफ बड़ा हथियार साबित होता। भाजपा, शिवसेना, अन्नाद्रमुक, तृणमूल कांग्रेस ने मिलकर बिल का विरोध किया, जिस कारण मनमोहन सरकार इसे पास नहीं करवा सकी। संभवत कांग्रेस घोषणापत्र में उसी बिल को पास करवाने का इशारा किया गया है। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस के घोषणापत्र को मुस्लिम लीग का चुनाव घोषणा पत्र कहा। कांग्रेस का घोषणापत्र भले ही मुस्लिम लीग का 1936 का चुनाव घोषणा पत्र देख कर न बनाया गया हो, कुछ हिस्सा सच्चर कमेटी की रिपोर्ट को देख कर जरुर बनाया गया है। 2005 में मनमोहन सिंह ने दिल्ली हाईकोर्ट के रिटायर्ड चीफ जस्टिस राजिन्दर सच्चर की अध्यक्षता में सात सदस्यीय कमेटी बनाई थी, जिसे मुसलमानों की आर्थिक, सामाजिक स्थिति का अध्ययन करके उनकी हालत सुधारने के लिए सिफारिशें करने को कहा गया था। सच्चर कमेटी ने अपनी सिफारिशों में मुसलमानों को नौकरियों और शिक्षा में 10 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की थी। मुसलमानों को आरक्षण कांग्रेस और कम्युनिस्टों के एजेंडे पर हमेशा से रहा है। सच्चर कमेटी और बाद में कांग्रेस के नेता रहे पूर्व चीफ जस्टिस रंगनाथ मिश्रा आयोग की दूसरी सिफारिश हिन्दू धर्म छोड़कर मुस्लिम या ईसाई बने दलितों या आदिवासियों को भी आरक्षण देने की थी, जबकि भाजपा धर्मांतरण करने वालों को आरक्षण के लाभ से वंचित करने की समर्थक है। भाजपा का तर्क संविधान सभा में हुई बहस पर आधारित है, जहां संविधान सभा ने धर्म आधारित आरक्षण को ठुकरा दिया था। । सच्चर कमेटी की रिपोर्ट के बाद ही मनमोहन सिंह ने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक अल्पसंख्यकों का है, और अल्पसंख्यकों में से भी मुसलमानों का। नरेंद्र मोदी ने 19 अप्रेल को पहले चरण की वोटिंग के बाद इस मुद्दे को भी जोरदार ढंग से उठाकर हिन्दू दलितों और आदिवासियों को सतर्क किया कि कांग्रेस उनका हक मार कर मुसलमानों को देना चाहती है। अपने बयान के साथ उन्होंने 2006 का मनमोहन सिंह का वह बयान भी याद दिलाया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीखे तेवरों का कारण सिर्फ यह नहीं है कि पहले चरण की वोटिंग कम हुई है, बल्कि उनका फीडबैक यह है कि मुसलमानों ने पहले की तरह ही एकतरफा भाजपा के खिलाफ वोटिंग की है, जबकि हिन्दू रामजन्मभूमि मन्दिर निर्माण और 370 हटाए जाने के बावजूद उनकी सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की नीति से खफा हैं। इसलिए नरेंद्र मोदी ने पहले चरण के चुनाव के दो दिन बाद 21 अप्रेल को राजस्थान के बांसवाड़ा में अपने हिन्दू वोट बैंक को संभालने के लिए मुस्लिम राजनीति के खिलाफ दूसरे चरण का हमला किया, जब उन्होंने कांग्रेस के चुनाव घोषणापत्र से सम्पत्ति के पुनर्वितरण वाले अंश को उठाया। मोदी ने पहले ही कहा था कि कांग्रेस के आधे चुनाव घोषणापत्र पर मुस्लिम लीग की छाप है, तो बाकी के आधे घोषणा पत्र पर वामपंथियों की छाप है।

जिस मुद्दे को उन्होंने बांसवाड़ा और बाद में टोंक - सवाई माधोपुर और छतीसगढ़ के जांजगीर में उठाया। जाति आधारित जनगणना के बाद सम्पत्ति के सर्वेक्षण और उसके बंटवारे वाले कम्युनिस्ट सिद्धांत को नरेंद्र मोदी ने हिन्दू महिलाओं के मंगलसूत्र से जोड़ कर और हिन्दुओं की सम्पत्ति ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले मुसलमानों में बांट दिए जाने का डर दिखा कर उन्होंने चुनाव को पूरी तरह हिन्दू-मुस्लिम बना दिया है।

कांग्रेस भी पता नहीं किस दुनिया में है, किस क़ानून के तहत वह लोगों की अर्जित संपत्ति का पुनर्वितरण कर सकती है। कम्युनिस्ट विचारधारा की एक थ्योरी को कांग्रेस ने अपने चुनाव घोषणा पत्र में लिख दिया। नरेंद्र मोदी कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र के हवाले से हिन्दुओं को डरा रहे हैं कि द्रमुक और कम्युनिस्टों के समर्थन से कांग्रेस सरकार आ गई, तो न उनका सनातन धर्म सुरक्षित रहेगा, न उनकी जीवन भर की मेहनत से जोड़ी गई संपत्ति सुरक्षित रहेगी। अब यह कांग्रेस को सोचना है कि उसके चुनाव घोषणा पत्र पर सोवियत संघ की पिट गई आर्थिक नीतियों का प्रभाव क्यों है, और उसके चुनाव घोषणा पत्र पर मुस्लिम लीग के विभाजनकारी एजेंडे की छाप क्यों है। लेकिन मोदी को विश्वास हो गया है कि वह विकास के एजेंडे पर नहीं जीत सकते, उन्हें अपने कोर हिन्दू वोट बैंक को ही बांधकर रखना होगा। इसलिए बीच चुनाव में उन्होंने सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का चोला उतार फेंका, और 2014 वाले अपने मूल तेवरों में आ गए। 2014 में तो भीड़ से जयश्रीराम के नारे लगते थे, 21 अप्रेल के बाद अब भाजपा की हर रैली में जयश्री राम और जय हनुमान के नारे लग रहे हैं। कांग्रेस हैरान परेशान है कि यह क्या हो गया, वह चुनाव आयोग की दहलीज पर पहुंची है। 23 अप्रेल को हनुमान जयंती के मौके पर भी मोदी ने राजस्थान में रैली को संबोधित करते हुए कर्नाटक की वह घटना याद दिलाई जब एक दुकानदार अपनी दुकान में हनुमान चालीसा पढ़ रहा था तो उसे बुरी तरह पीटा गया था। मोदी ने कहा कि कांग्रेस का राज आया तो कोई हनुमान चालीसा भी नहीं पढ़ सकेगा। राजस्थान में यह सब क्यों, क्योंकि राजस्थान की बाकी बची 13 सीटें बहुत जरूरी हैं, और कर्नाटक में जिस दुकानदार को पीटा गया था वह राजस्थानी ही था।

लव जिहाद : चुनावी अखाड़े में एक और मुद्दा

पूनम आई. कौशिश

स्वाभाविक है कि भाजपा ने इसे एक लव जिहाद का मामला बताया है और सिद्धारमैया सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह कानून-व्यवस्था की कीमत पर तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है। सत्तारूढ़ कांग्रेस ने यह कहते हुए इस आरोप का खंडन किया है कि यह दोनों के बीच पारस्परिक संबंध है और इस प्रकार पुन- संपूर्ण देश में एक पुराना चिर-परिचित दुश्मन उभर आया है। इस घटना के परिणामस्वरूप हिन्दू ब्रिगेड की बहू-बेटी बचाओ संघर्ष समिति सक्रिय हो गई और वह लोगों को जागरूक करने और लव जिहाद का मुकाबला करने के लिए एक आक्रामक और सुनियोजित अभियान चला रही है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जो लोग अपनी पहचान छुपाते हैं और हमारी बहन-बेटियों के सम्मान के साथ खिलवाड़ करते हैं, यदि वे अपने तौर-तरीके नहीं बदलते तो उनका राम नाम सत्य होने की यात्रा शुरू हो गई है। कांग्रेस ने भाजपा पर आरोप लगाया है कि वह इस तरह की चाल चल कर हिन्दू बहुलवादी सांप्रदायिक राजनीति कर रही है, ताकि मुसलमानों को चुनावी दृष्टि से हाशिए पर लाया जाए जो विशेषकर लव जिहाद के भावनात्मक मुद्दे पर सांप्रदायिक हिंसा को संरक्षण दे रही है तथा उसके द्वारा शासित राज्यों में धर्म परिवर्तन विरोधी कानून ला रही है। भाजपा ने कांग्रेस और उसके द्वारा शासित राज्यों पर आरोप लगाया है कि वह मुसलमान लड़ाकों के विरुद्ध कार्रवाई करने में विफल रही है। कांग्रेस एक मुस्लिम पार्टी है, टुकड़े-टुकड़े गैंग का हिस्सा है, आतंकवादियों को संरक्षण देती है, तुष्टीकरण की राजनीति और पाकिस्तान के एजैंडे पर काम करती है। जहां तक अन्य विपक्षी दलों का संबंध है, अल्पसंख्यक विरोधी मुद्दे पर हिन्दुत्व ब्रिगेड की आलोचना करने के बावजूद वे आक्रामक हिन्दुत्व एकीकरण का विरोध करते हैं और नहीं चाहते कि उन पर मुस्लिम समर्थक का बिल्ला लगाया जाए। वे मुस्लिम लोगों को भाजपा विरोधी मानते हैं और उसी के अनुसार अपनी राजनीतिक रणनीति बनाते हैं। फिर गलती किसकी है? हमारे नेता गत वर्षों में समाज में जहर फैलाने के लिए अविवेकपूर्ण भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं। राजनीति ध्रुवीकरण, तुष्टीकरण, कट्टरवाद तक सीमित हो गई है। घृणा फैलाई जा रही है और इससे सांप्रदायिक मतभेद भी बढ़ रहे हैं। चुनावों से पूर्व सभी धर्मों में भावनाएं भड़काने का प्रयास किया जा रहा है। हर पार्टी ऐसा कर रही है और उन्हें आशा है कि इससे उन्हें लाभ मिलेगा। राज्य विधानसभा चुनावों में हार के बाद भाजपा अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा और हिन्दू सांस्कृतिक पुनर्जागरण के बाद एक नई हिन्दुत्व राजनीति कर रही है, ताकि वह उन क्षेत्रों में भी अपनी पैठ बना सके, जहां पर अल्पसंख्यक समुदाय के लोग अधिक संख्या में नहीं हैं और उसने इस बार पुन- नारा दिया है, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और इस बार 400 पार, तथापि पार्टी समझती है मुस्लिम सोच अभी भी उसके लिए समस्या का कारण है। पिछले वर्ष विभिन्न दक्षिणपंथी संगठनों ने हिन्दू जन आक्रोश रैलियां निकालीं और लव जिहाद, लैंड जिहाद के विरुद्ध कानून बनाने की मांग की और हिन्दुत्व खतरे में है, का मुद्दा उठाया। विपक्षी दलों ने भगवा संघ पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि मुसलमानों की आबादी में वृद्धि से किस तरह हिन्दू राष्ट्र की सर्वोच्चता खतरे में पड़ गई है और उनकी निगाहें चुनावी लाभ पर हैं। तथापि यह सब कुछ सांप्रदायिक सौहार्द के लिए अच्छा नहीं है। कम लोग जानते हैं कि लव जिहाद कार्यक्रम केरल में कुछ मुस्लिम संगठनों के संरक्षण में 1996 में शुरू हुआ था, हालांकि यह शब्द पहली बार सितंबर 2009 में केरल के पथानामथिट्टा जिले में सुनाई दिया और इसका इस्तेमाल तीन माह बाद केरल उच्च न्यायालय के एक निर्णय में हुआ और इसे युवा होनहार हिन्दू लड़कियों को बलपूर्वक मुसलमान बनाने के लिए एक मुस्लिम षड्यंत्र बताया गया, जिसके अंतर्गत मुस्लिम लड़के उन लड़कियों को प्यार के जाल में फंसाते हैं। न्यायालय ने राज्य सरकार से कहा था कि वह इस तरह के लव जिहाद के धोखाधड़ी वाले कृत्यों पर प्रतिबंध लगाने के लिए कानून बनाने पर विचार करे। मुस्लिम कट्टरवादी संगठनों, जैसे नैशनल डैमोक्रेटिक फ्रंट और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के कैम्पस फ्रंट द्वारा इसका खंडन किए जाने के बावजूद केरल सरकार ने कहा कि वर्ष 2006 के बाद राज्य में 2667 महिलाओं ने धर्म परिवर्तन कर इस्लाम अपनाया है। पुलिस के आंकड़े बताते हैं कि पिछले चार वर्षों में ऐसे धर्मपरिवर्तन की 8 हजार घटनाएं हुई हैं। हिन्दू जन जागृति समिति के अनुसार अकेले कर्नाटक में 60 हजार लड़कियों का धर्म परिवर्तन कर मुस्लिम बनाया गया और पिछले 6 माह में उत्तर प्रदेश में लव जिहाद के 20 मामले सामने आए हैं। उत्तर, दक्षिण, पूरब, पश्चिम, देश के किसी भी भाग में जाएं, स्थिति ऐसी ही है। धर्म पैसा बनाने का साधन बन गया है। अमरीका से अनेक गिरजाघरों को पैसा मिल रहा है और वे तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और कश्मीर में लड़कियों को पैसे और रोजगार देकर उन्हें ईसाई धर्म अपनाने के लिए मजबूर कर रहे हैं। दूसरी ओर विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल ने छत्तीसगढ़ के प्रत्येक गांव में भी युवाओं के सशस्त्र दल बनाए हैं, ताकि वे लोगों को ईसाई धर्म अपनाने से रोक सकें और मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, गुजरात तथा ओडिशा में आदिवासी ईसाइयों को पुन- हिन्दू धर्म में लाने के लिए घर वापसी कार्यक्रम शुरू किया है। इस पर रोक लगाने के लिए राजस्थान, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ और गुजरात ने धर्म परिवर्तन रोधी कानून पारित किए हैं, जिसमें धर्म परिवर्तन पर प्रतिबंध लगाया गया है, किंतु यदि कोई हिन्दू धर्म में वापस आना चाहता है, पुन- धर्म परिवर्तन की अनुमति दी गई है।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सद्भावना पाती
शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमे उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सद्भावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एपकरें, कॉल न करें।
व्हाट्स ऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय : यूजी-पीजी कोर्स में प्रवेश प्रक्रिया 1 मई से

इंदौर। प्रदेशभर के सरकारी और निजी कॉलेज से संचालित स्नातक-स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश को लेकर प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है। उच्च शिक्षा विभाग ने काउंसिलिंग को लेकर शेड्यूल जारी कर दिया है। एक मई से स्नातक और दो मई से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में पंजीयन शुरू होंगे, जो 21 मई तक विद्यार्थी आवेदन कर सकते है। इस बीच छात्र-छात्राओं को दस्तावेज का सत्यापन भी करवाना है।पसंदीदा कालेज व कोर्स की च्वाइस भरने के बाद विद्यार्थियों को मई अंतिम सप्ताह में सीट आवंटित की जाएगी। सात दिन के भीतर विद्यार्थियों को फीस जमा करना है। अधिकारियों के मुताबिक, प्रदेशभर में यूजी की आठ और पीजी की 4 लाख सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा।

एक लाख सीटें कम

खरगोन में विश्वविद्यालय बनने से देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के दायरे में आने वाले 80 कॉलेज शिफ्ट हो चुके हैं। इसके चलते करीब एक लाख दस हजार सीटें कम हो चुकी है। 160 कॉलेज की यूजी में 1 लाख 90 हजार सीटें है, जबकि पीजी में सवा लाख सीटों पर विद्यार्थियों को प्रवेश मिलेगा। काउंसलिंग के माध्यम से विद्यार्थियों को बीए, बीकॉम, बीएससी, बीजेएमसी, बीएसडब्ल्यू, एमए, एमकॉम, एमएससी सहित अन्य कोर्स शामिल है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत उच्च शिक्षा विभाग ने प्रवेश संबंधित कई नियमों में संशोधन किया है। इस बार से बीसीए में सभी संकाय में 12वीं करने वाले विद्यार्थी प्रवेश ले सकेंगे। साथ ही एलएलबी-एलएलएम जैसे कोर्स में पांच प्रतिशत अंक की छूट दी गई है।

दो चरण बाद सीएलसी

कालेजों की सीटें भरने को लेकर उच्च शिक्षा विभाग ने प्रवेश प्रक्रिया रखी है। पहले दो चरण आनलाइन काउंसलिंग की जाएगी। जबकि तीसरे चरण में कॉलेज लेवल काउंसिलिंग (सीएलसी) की जाएगी, जो 21 जून से शुरू होगा। पंजीयन करवाने के बाद कालेजों में मेरिट के आधार पर विद्यार्थियों की सूची लगाई जाएगी। सीट आवंटन होने के तीन से चार दिन के भीतर विद्यार्थियों को फीस जमा करना होगी।

JEE Main 2024 Results Declared

56 Candidates Score 100 Percentile, majority hailing from Telangana

The National Testing Agency (NTA) released the results for the April session of the Joint Entrance Examination (JEE) Main 2024 on Wednesday night. The agency also released the combined results of Paper 1 (BE/BTech) of the January and April sessions. A total of 56 examinees aced the engineering entrance exam with a perfect score of 100, with the majority hailing from Telangana. This year, two girls -Sanvi Jain from Karnataka and Shayna Sinha from Delhi- achieved a perfect score of 100 percentile in the JEE Main exams. Those who had appeared in session 2 can access their results on the official website, jeemain.nta.ac.in.

The JEE Main 2024 exams were conducted in two sessions - the first session took place on January 28, 29, 30, 31, and February 01, while the second session on April 4, 5, 6, 8, and 9. The examinations were conducted in computer-based Test (CBT) mode. A total of 10,67,95 students took the second session of Paper 1 (BE/BTech) examinations. Of those who achieved a perfect score, 15 are from Telangana, with seven each from Andhra Pradesh and Maharashtra, and six from Delhi. Thirty-nine candidates were barred from future attempts for three years due to engaging in malpractice during the examination, the NTA stated.

The examinations were held in 13 languages - Assamese, Bengali, English, Gujarati, Hindi, Kannada, Malayalam, Marathi, Odia, Punjabi, Tamil, Telugu, and Urdu. The second session of the JEE (Main) 2024 took place across 571 examination centres spanning 319 cities, with 22 centres located overseas. The first session was held in approximately 544 centres across 291 cities, including 21 centres outside the country.

The required JEE (Main) percentile for qualification to the JEE (Advanced) has reached its highest point in five years across all categories. This year, the minimum cutoff for the general category stands at 93.2, showing an increase from 90.7 in 2023 and 88.4 in 2022.

According to the policy, the NTA doesn't disclose raw scores but instead provides percentiles. The percentile score, which is a normalised score for the exam, is used in compiling merit lists rather than the candidate's raw marks.

एमपी बोर्ड 12वीं परीक्षा परिणाम में आइडियल एकेडमी स्कूल की नंदनी जोशी को डिस्ट्रिक्ट मेरिट में दूसरा स्थान

इंदौर। एमपी बोर्ड 12वीं के रिजल्ट घोषित हो। इसमें इंदौर के आइडियल एकेडमी स्कूल की प्रतिभाशाली छात्रा नंदनी ओमप्रकाश जोशी ने 12वीं कक्षा में 94.2 प्रतिशत स्कोर हासिल किया है। 500 में से 471 मार्क्स लाकर नंदनी ने डिस्ट्रिक्ट मेरिट में दूसरा स्थान हासिल किया है। नंदनी शुरू से ही पढ़ाई में बहुत होशियार है, विपरीत परिस्थितियों में भी उसने रात दिन मेहनत कर यह मुकाम हासिल कर परिवार और इंदौर शहर का नाम गौरवान्वित किया। नंदनी जोशी देश विदेश में भारत का नाम रोशन करने वाले अल्ट्रा रनर कार्तिक जोशी की छोटी बहन है। भाई के बाद बहन ने भी डिस्ट्रिक्ट मेरिट में दूसरा स्थान हासिल कर बाजी मार जोशी परिवार का मान बढ़ाया है।

बोर्ड परीक्षा परिणाम, अंकों पर शंका तो, उत्तर पुस्तिका की छायाप्रति बुलाएं

माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षा हाईस्कूल और हायर सेकंडरी के परीक्षा परिणाम बुधवार को जारी कर दिए गए है। इस परिणाम में अगर किसी परीक्षार्थी को मिले अंकों को लेकर शंका है, तो आगामी 15 दिनों के तक ऑनलाइन आवेदन कर अंकों की पुनर्गणना और उत्तर पुस्तिका की छायाप्रति बुलाई जा सकती है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में बोर्ड द्वारा अंकों की गणना और उत्तर पुस्तिका में दर्ज उत्तरों के अंकों लेकर लापरवाही बरती गई थी, जिसमें बोर्ड ने हर्जाना भी भरा था।मंडल विनियम 1965 पैरा 119 के अनुसार, घोषित परीक्षा परिणाम के प्राप्तांकों से असंतुष्ट परीक्षार्थी अंकों की पुनर्गणना और उत्तर पुस्तिका के लिए शुल्क आवेदन कर सकते हैं। इस बार मंडल ने पुनर्गणना के लिए 200 रुपये और उत्तर पुस्तिका की छायाप्रति के लिए 250 रुपये शुल्क तय किया है। इसके लिए एमपी ऑनलाइन कियोस्क और एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ही आवेदन किया जा सकेगा।आवदेन में परीक्षार्थी या पालक को मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी दर्ज कराना अनिवार्य होगा। उत्तर पुस्तिका की छायाप्रति प्राप्त करने वाले छात्रों को पुनर्गणना कराना अनिवार्य किया गया है। यानी की पहले पुनर्गणना करना होगा, इसके बाद भी असंतुष्ट है तो उत्तर पुस्तिका की छायाप्रति बुलाएं। ऐसा इसलिए क्योंकि उत्तर पुस्तिका छाया प्रतियों के आवेदित प्रकरणों में अंक योग की त्रुटि या अमूल्यांकित प्रश्न होने की स्थिति में प्रकरणों में उत्तर पुस्तिका की छायाप्रति भेजने के पहले ही त्रुटि का सुधार किया जा सके। इस काम के लिए मूल्यांकन केन्द्र पर मूल्यांकन केन्द्र का वरिष्ठ सहायक मूल्यांकन अधिकारी और दो संबंधित विषय के शिक्षक की समिति बनाई गई है।

MPPSC SET 2024 correction window opens, registration deadline extended till May 9

The Madhya Pradesh Public Service Commission (MPPSC) has extended the registration deadline for the State Eligibility Test (SET) 2024. Eligible and interested candidates can fill out the MPPSC SET 2024 application form by May 9 through the official website — mppsc.mp.gov.in.

The MPPSC SET 2024 application correction window has been activated. The last date for the candidates to edit the application form is May 11. Candidates to use their registration number and password to log in and make changes to the application form.

JoSAA released schedule for registration process, set to start from June 10

The National Testing Agency on Wednesday announced Result for the Joint Entrance Examination (Main) Session 2 2024. Those who qualified the exam can apply for the counselling.The Joint Seat Allocation Authority (JoSAA) has released the schedule for the registration process. The application process is set to start from June 10. Candidates who cleared the exam can register for JEE Advanced scheduled to begin from April 27. The JEE Advanced exam is slated for May 26 and results will be announced on June 9.

Successful candidates in the JEE Advanced exam will be eligible for the counselling process, facilitating admissions to prestigious institutions like IITs, NITs, IIITs, and Government Funded Technical Institutes (GFTIs). Conducted by JoSAA, counselling is set to start from June 10, 2024. The JoSAA counselling process includes registration, choice filling and locking, seat allocation, and acceptance of seats. Accepted candidates must report to the institute for document verification and admission formalities.

Required documents include Class 10 and 12 Mark sheets/Certificates, Category certificate (if applicable), PwD certificate (if applicable), Bank details, Medical certificate, OCI/PIO card (if applicable), Passport/Citizenship certificate (if applicable), and JEE Main/Advanced admit card.

JoSAA Counselling Fees:

There is no charge for choice filling, but there's a seat acceptance fee (SAF) of ? 20,000 for SC/ST/PwD categories and ? 45,000 for General/OBC-NCL/GEN-EWS categories.

Participating Institutes:

JoSAA 2024 will include around 118 institutes, comprising IITs, NITs, IIITs, GFTIs, and others.

NTA released CMAT 2024 schedule: Check Examination, Application Form Correction here

The National Testing Agency (NTA) has released the schedule for the Common Management Admission Test (CMAT) for admission to management courses in the country. The examination will be held on May 15 in Computer Based Test (CBT) mode at various centres nationwide. The city intimation slips will be released 10 days prior to examination. The exam allows AICTE affiliated/participating institutions to choose suitable graduate candidates for admission to their Management courses.

CMAT 2024: Application Correction

-The window for application correction opened on April 24 and will close on April 26 at 11.50pm. Registered candidates can make changes to the details in their respective forms.

-Final corrections will only be allowed after payment of any additional required fees. If there's a change in category or PwBD status that affects the fee, the candidate will be charged the applicable excess fee. Excess payments made will not be refunded.

-All registered candidates are advised to visit the official website to verify their details and make any necessary corrections to their application forms. Any additional fees, if applicable, must be paid by the candidate through Credit/Debit Card/Net Banking/UPI. This is a one-time opportunity to correct details and no further chances for correction will be provided. Candidates are advised to regularly check the NTA website at exams.nta.ac.in/CMAT/ for the latest updates.

CAPF Recruitment 2024: UPSC invites applications For 506 Assistant Commandant Posts, Check Details

The Union Public Service Commission (UPSC) is currently accepting applications for the recruitment to fill a total of 506 Assistant Commandant positions in the Central Armed Police Forces (CAPF).

Those interested and eligible can apply by visiting the commission's website, upsconline.nic.in. The deadline for application submission is May 14. The application correction window will remain open from May 15 to 21.

Vacancy Details

Border Security Force (BSF): 186 vacancies

Central Reserve Police Force (CRPF): 120 vacancies

Central Industrial Security Force (CISF): 100 vacancies

Indo-Tibetan Border Police (ITBP): 58 vacancies

Sashastra Seema Bal (SSB): 42 vacancies

Both men and women can apply for the position of Assistant Commandant.

Application process

Candidates need to undergo a one-time registration (OTR) process before filling out the online form on upsconline.nic.in. Existing candidates who completed OTR for an earlier UPSC CAPF edition or any other commission-conducted examination don't need to register again, as their OTR validity is lifelong. They can simply fill out the application using their registration details.

Eligibility criteria

Eligibility criteria include being an Indian citizen, aged between 20 and 25 years as of August 1, 2024, and possessing a bachelor's degree from a recognised university.

Application Fee

The application fee is ? 200, but female, SC, and ST category candidates are exempt from paying it.

Exam schedule and negative marking

The Union Public Service Commission will hold a written examination on August 4.

Wrong answers will result in deduction of marks in the objective type question paper.

UGC Releases Names Of Student Ambassador For Academic Reforms

The University Grants Commission (UGC) has announced the names of NEP SAARTHI (National Education Policy - Student Ambassador For Academic Reforms In Transforming Higher Education in India). Alongside, the university body has also released the roles and responsibilities associated with this programme.

NEP SAARTHI is an initiative by the UGC aimed at encouraging students to actively participate in implementing the provisions of the National Education Policy (NEP) 2020. The objective is to create an environment where students can engage with the community and drive reforms in higher education. To promote student involvement and awareness of educational reforms, the UGC launched the NEP SAARTHI initiative. The initiative seeks individuals with outstanding personalities, excellent communication skills, organisational capabilities, creativity, a sense of responsibility, and leadership qualities to conduct outreach programs. "The UGC believes that participation in this initiative will not only be personally enriching but also play a significant role in shaping the future of higher education in India," the university body stated. Following nominations from Higher Educational Institutions (HEIs), the UGC has released the names of the selected candidates.

Objectives:

Create awareness and promote the initiatives of NEP 2020 among students on campus

Encourage and motivate students to actively participate in implementing the NEP 2020 initiatives

Establish a feedback mechanism for the UGC to understand the impact of NEP 2020 initiatives on students and address their concerns

Role of NEP SAARTHI: Work as an ambassador to promote NEP 2020

Create awareness regarding NEP 2020

Disseminate information regarding NEP 2020

Promote NEP 2020 initiatives on social media

Collect feedback from students to improve the implementation of NEP 2020

Provide guidance to students and other stakeholders regarding NEP 2020 initiatives and how they can benefit from them

Responsibilities: Organise awareness drives regarding the latest NEP initiatives

Connect with student groups

Establish meaningful dialogue among students, faculty members, administrators, and the UGC.

Prepare brief notes on each NEP initiative for display on campus

Plan events, debates, discussions, competitions, quizzes, Nukkads, Chaupals

Initiate social media activities or campaigns

Set up NEP help desks at college fests

कई सारी शारीरिक समस्याओं की वजह बन सकता है हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन

हमारी रसोई में उपलब्ध हल्दी वो औषधि है, जो देसी नुस्खों और उपायों में रामबाण के तौर पर इस्तेमाल की जाती है। एंटीऑक्सीडेंट और एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर हल्दी का सेवन बेहद लाभकारी माना गया है लेकिन कहते हैं न कि एक निश्चित मात्रा से अधिक औषधि का सेवन भी जहर के समान है, हल्दी दूध के अधिक सेवन में भी यही बात लागू होती है।

अगर सेहत बनाने के लिए आप भी हल्दी वाले दूध का सेवन कर रहे हैं तो आपको इससे होने वाले नुकसान के बारे में भी जान लेना चाहिए। दरअसल, हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन कई सारी शारीरिक समस्याओं की वजह बन सकता है, तो वहीं कुछ विशेष परिस्थिति में तो ये घातक भी हो सकता है। तो चलिए जान लेते हैं कि आखिर हल्दी वाले दूध के अधिक सेवन से किस तरह की शारीरिक समस्याएं पेश आ सकती हैं।

शरीर में आयरन की कमी

आप पौष्टिकता के लिए हल्दी वाले दूध का सेवन करते हैं लेकिन आपको पता होना चाहिए इसकी अधिकता के कारण शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। दरअसल, हल्दी में पाए जाने वाले करक्यूमिन नामक कंपाउंड, शरीर में आयरन के अवशोषण में बाधा बनता है। इसलिए जो लोग आयरन की कमी से जूझ रहे हैं, लोगों को खासतौर पर सीमित मात्रा में हल्दी वाले दूध का सेवन करना चाहिए।

लिवर की समस्या

हल्दी वाले दूध के सेवन का कारण लिवर की समस्या भी हो सकती है। असल में हल्दी में मौजूद करक्यूमिन लिवर में सूजन पैदा करता है, जिसके कारण लिवर की समस्या हो सकती है।

पेट की समस्याएं

हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन शरीर के पीएच को प्रभावित करता है, जिसके कारण पेट में गैस और अपच की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हैं तो आपको हल्दी वाले दूध का सेवन से बचना चाहिए।

गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक

हल्दी वाले दूध का सेवन गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक माना जाता है। एक्सपर्ट की माने तो हल्दी के अधिक सेवन से गर्भाशय में ऐंठन, दर्द हो सकता है। वहीं कई बार इसके चलते ब्लीडिंग की भी समस्या हो जाती है। इसीलिए डॉक्टर्स प्रेग्नेंट महिलाओं को हल्दी वाले दूध के सेवन से बचने की सलाह देते हैं।

शरीर में एलर्जी की प्रतिक्रिया

वहीं हल्दी दूध के अधिक सेवन से आपको एलर्जिक रिएक्शन भी हो सकते हैं, दरअसल हल्दी में पाए जाने वाले कंपाउड्स के चलते कुछ लोगों को स्किन पर रैशेज और सांस लेने में दिक्कत भी होती है। इसलिए अगर आपकी बॉडी एलर्जिक है तो आपको हल्दी वाले दूध के सेवन से परहेज करना चाहिए।

मेनिनजाइटिस इंफ्लामेशन काफी खतरनाक साबित हो सकती है। यह इंफेक्शन के कारण होता है। अगर इसका इलाज ना किया जाए तो शरीर की कुछ क्षमताएं खत्म हो सकती हैं। इसलिए इसके लक्षणों को कभी नजरअंदाज ना करें।

3 चीजों से बनता है मेनिनजाइटिस तुरंत चाहिए इलाज

दिमाग को बॉडी का प्रमुख कहा जाता है। यह शरीर के बाहरी और अंदरुनी सारे काम कंट्रोल करता है। अगर इसमें कोई भी खराबी आ जाए तो शरीर में भी खराबी आने लगती है। मेनिनजाइटिस भी दिमाग और स्पाइनल कॉर्ड से जुड़ी समस्या है। इसके अंदर दिमाग और स्पाइनल कॉर्ड के आसपास के मेंब्रेन में इंफ्लामेशन आ जाती है। इसमें मरीज को तुरंत इलाज की जरूरत पड़ती है वरना शरीर कई काम करने बंद कर सकता है। यह बीमारी काफी खतरनाक है, इस कारण वर्ल्ड मेनिनजाइटिस डे की तारीख 24 अप्रैल से 5 अक्टूबर बदल दी गई। ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसमें शामिल हो सकें।

मेनिनजाइटिस होने के पीछे इंफेक्शन होते हैं। यह वायरल, बैक्टीरियल और फंगल इंफेक्शन की वजह से हो सकता है। वायरल इंफेक्शन सबसे ज्यादा मेनिनजाइटिस के लिए जिम्मेदार देखा गया है। हालांकि दूसरे इंफेक्शन ज्यादा खतरनाक रूप ले सकते हैं।

मेनिनजाइटिस के लक्षण

इसके लक्षण कारण पर निर्भर करते हैं। हालांकि, कुछ आम संकेत निम्नलिखित हैं, जो किसी और बीमारी के कारण भी हो सकते हैं।

- भूख मरना
- चिड़चिड़ापन
- उल्टी
- डायरिया
- सांस की दिक्कत
- सिरदर्द
- बुखार
- गर्दन में अकड़न
- लाइट से सेंसिटिविटी
- ज्यादा नींद आना

बच्चों में मेनिनजाइटिस

यह इंफ्लामेशन छोटे बच्चों को भी हो सकती है। उनके अंदर निम्नलिखित लक्षण दिख सकते हैं।

- बुखार
- शरीर में अकड़न
- तेज रोना
- बच्चा शांत ना होना
- ज्यादा सोना
- चल ना पाना
- चिड़चिड़ापन

शरीर ये काम कर देता है बंद

मेनिनजाइटिस के कारण शरीर को काफी नुकसान झेलना पड़ सकता है। अगर इसका इलाज ना किया जाए तो सुनने की क्षमता, याददाश्त, देखने की क्षमता कम हो जाती है। इसकी वजह से दौरा पड़ना, माइग्रेन, ब्रेन डैमेज, सबड्यूरल एम्पायमा, हाइड्रोसेफालस भी हो सकता है।

फैल भी सकता है मेनिनजाइटिस

मेनिनजाइटिस संक्रामक भी हो सकता है। इसके कुछ प्रकार एक मरीज से दूसरे मरीज तक फैल सकते हैं। मरीज के खांसने, छींकने या चुंबन लेने से यह स्वस्थ व्यक्ति को संक्रमित बना सकता है। इंफेक्शन फैलाने वाले मरीजों में यह वायरस या बैक्टीरिया अक्सर गले या नाक में मौजूद रहता है।

रात के खाने में ना खाएं दही

हम सभी जानते हैं कि दही खाना सेहत के लिए बहुत अधिक लाभकारी होता है। दही एक सुपर फूड है, जिसे हर दिन खाया जा सकता है और यह सेहत को सिर्फ एक नहीं अनेक तरीकों से लाभ पहुंचाती है। पाचन से लेकर त्वचा और बाल सबको हेल्दी रखती है। इस विषय पर नए सिरे से बात करने की जरूरत नहीं है। आज हम इस विषय पर बात करेंगे कि आखिर रात के खाने में दही खाने को क्यों मना किया जाता है.

- आपने अपने पैरंट्स से अक्सर सुना होगा कि रात के समय दही या दही से बना रायता नहीं खाना चाहिए। लेकिन आज कल शादी-पार्टीज में यह ट्रेंड है कि आप रात के 12 बजे भी डिनर ले रहे होंगे तो आपको रायता जरूर मिलेगा खाने में.। खैर, सर्व करनेवाले तो सर्व करते है। यह तो आपको निर्णय लेना है कि रात में रायता या दही खाकर आप बीमार पड़ना चाहते हैं या नहीं।
- दही पाचनतंत्र को ऊर्जा देने का काम करती है। साथ ही हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाती है। लेकिन यदि दही का सेवन रात में किया जा तो पाचनतंत्र भी डिस्टर्ब होता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है।
- अब आपके मन में यह सवाल आ रहा होगा कि आखिर रात में दही खाने पर ऐसा क्या हो जाता है? तो जान लीजिए कि रात को दही खाने पर पाचनतंत्र मंद हो जाता है। आयुर्वेद की भाषा में बात करें तो जठराग्नि मंद हो जाती है और शरीर की वायु कुपित हो जाती है। इस कारण रात में दही का सेवन करने पर हाथ, पैर, सिर, कमर या शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द की समस्या हो सकती है।
- इसके साथ ही दही खाने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता पर इस लिए बुरा असर पड़ता है, क्योंकि दही तासीर में ठंडी होती है। यदि रात में दही खाई जाती है तो शरीर में कफ की मात्रा में वृद्धि हो सकती है। इससे गले में दर्द, खराश, बलगम वाली खांसी, सिर में भारीपन, जुकाम आदि की समस्या हो सकती है।
- जिन लोगों को अस्थमा की शिकायत है, उन्हें रात के समय भूल से भी दही का सेवन नहीं करना चाहिए। नहीं रात के समय अस्थमा अटैक के कारण सांस लेना मुश्किल हो सकता है। हालांकि सभी लोगों को इस बात की जानकारी भी होनी चाहिए खट्टी दही और मीठी दही दोनों के शरीर पर अलग-अलग प्रभाव होते हैं। लेकिन रात के समय आपको किसी भी प्रकार की दही लेने से बचना चाहिए।

न जिम-न डाइटिंग, हल्दी से अंदर धंसेगी लटकती तोंद

अगर आप सोच रहे हैं कि हल्दी का उपयोग सिर्फ खाने का स्वाद और रंग बढ़ाने तक सीमित है, तो आप गलत हैं। यह एक ऐसा मसाला है, जो पेट की जिद्दी चर्बी को खत्म करने की ताकत रखता है, बस आपको इस्तेमाल करना आना चाहिए।

वजन कम करने के लिए लोग कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। लेकिन सर्दियों के दिनों में वजन कम करना बहुत मुश्किल होता है। लगातार बैठे रहने से पेट की चर्बी तो निकल जाती ही है लेकिन पेट के साथ-साथ जांघें और कमर भी मोटी दिखने लगती है। बहुत से लोग कमर और पेट के आकार को कम करने के लिए जिम जाकर घंटों एक्सरसाइज नहीं कर पाते हैं। वजन कम करने के लिए क्या करें? पेट और कमर की चर्बी कम करने और सुडौल शरीर पाने के लिए आप किचन में रखे मसालों का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर बात करें मसालों की तो इनमें हल्दी एक ऐसा जादुई मसाला है, जो पेट की चर्बी को काटने का काम करता है। खाने को स्वाद और रंग देने वाले इस मसाले को आप वजन कम करने वाले हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। चलिए जानते हैं कि आप वजन घटाने के लिए हल्दी का उपयोग कैसे कर सकते हैं।

पेट की चर्बी का नामोनिशान मिटा सकती है हल्दी

एक अध्ययन के अनुसार, हल्दी वजन घटाने के लिए फायदेमंद है। पशु अध्ययनों से पता चला है कि हल्दी में एक शक्तिशाली यौगिक करक्यूमिन होता है, जो फैट बर्न करने का काम करता है। वजन कम करने में असमर्थ 44 लोगों पर किए गए एक अध्ययन से पता चला कि दिन में दो बार 800 मिलीग्राम करक्यूमिन लेने से उनका बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) कम हो गया। इसके अलावा कमर और कूल्हे की चर्बी भी कम हुई।

हल्दी के गुण

कच्ची हल्दी में एंटीबैक्टीरियल, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-फंगल गुण होते हैं। इसमें विटामिन सी, पोटैशियम, प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, कॉपर, जिंक, थायमिन, राइबोफ्लेविन होता है। ये पोषक तत्व शरीर को शारीरिक समस्याओं से बचाते हैं।

वजन घटाने के लिए हल्दी वाला पानी कैसे तैयार करें?

- मोटापा कम करने के लिए आप कच्ची हल्दी को गर्म पानी में उबालकर पी सकते हैं। इस मिश्रण का खाली पेट सेवन करने से आपको तेजी से वजन घटाने में मदद मिल सकती है।
- इसके लिए 2 गिलास पानी में कच्ची हल्दी के टुकड़े डालकर उबाल लें
- जब एक गिलास पानी बचे तो आंच बंद कर दें और पानी को छानकर एक गिलास में निकाल लें
- सुबह खाली पेट सबसे पहले इसका सेवन करें।
- अगर आप हल्दी वाला पानी नहीं पीना चाहते तो आप हल्दी वाले दूध का सेवन कर सकते हैं

हाइड्रेट और रीहाइड्रेट करने का सबसे अच्छा तरीका है पानी

पानी सबसे जरूरी पोषक तत्व है और पानी पीने के ढेरों फायदे हैं. वास्तव में पानी को जीवन के लिए अमृत कहा गया है। ऐसे में जरूरी है कि आप पानी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में जानें क्योंकि पानी मनुष्य के शरीर का 70 फीसदी हिस्सा बनाता है और शरीर की हर कोशिका को हाइड्रेट, डीटॉक्स करता है, शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखकर जीवनशैली को स्वस्थ बनाता है।

प्यास लगना डीहाइड्रेशन का संकेत है, इसलिए जरूरी है कि आप दिन भर पानी पीते रहें। डीहाइड्रेशन के कारण शरीर में ऊर्जा का स्तर कम हो जाता है और इम्यून सिस्टम (बीमारियों से लड़ने की ताकत) कमजोर पड़ जाता है। वे लोग जो अधिक सक्रिय रहते हैं, शारीरिक व्यायाम करते हैं, खेलते हैं, उनमें पसीना ज्यादा बहता है, ऐसे में उनके लिए अपने शरीर को नियमित रूप से हाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। शरीर से पानी ज्यादा निकल जाने से क्रैम्प्स पड़ने लगते हैं और शरीर लेक्टेट को बफर करने में सक्षम नहीं रहता। अक्सर देखा जाता है कि एथलीट्स और बॉस्केटबॉल खिलाड़ियों को हाइपरथर्मिया हो जाता है या पानी की कमी एवं बहुत ज्यादा डीहाइड्रेशन के चलते उनका ब्लड प्रेशर गिर जाता है। ऐसी स्थिति में रीहाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। अगर आपमें डायरिया, कम पानी पीना, पेट में फ्लू, बहुत ज्यादा दवाएं लेना जैसी स्थितियां हैं या आपने पिछली रात ज्यादा शराब का सेवन किया है तो ऐसे में शरीर को रीहाइड्रेट करना बहुत अधिक महत्वपूर्ण होता है। रीहाइड्रेशन ओरल माध्यम से या इन्ट्रावीनस तरीके से किया जा सकता है। हममें से ज्यादातर लोग पानी पीने पर ठीक से ध्यान नहीं देते। दिन भर चलने वाले वर्चुअल मीटिंग्स, असाइनमेन्ट और घर के कामों के बीच अक्सर हम पानी पीना भूल जाते हैं। ऐसी स्थिति में हमें अपने पास पानी की बोतल रख या हेल्थ ऐप के जरिए रिमाइंडर लगाकर बार-बार पानी पीते रहना चाहिए।

कोशिका की संरचना में पानी का महत्व

कोशिकाओं को स्वस्थ बनाए रखने के लिए पानी जरूरी है, यह बालों, त्वचा और नाखुनों की कोशिकाओं का अभिन्न हिस्सा है। पानी कोलाजन के उत्पादन में मदद कर कोशिकाओं की उम्र बढ़ने से रोकता है। इसके अलावा, पानी जोड़ों एवं रीढ़ की हड्डी को स्वस्थ बनाए रखने के लिए भी जरूरी है क्योंकि पानी शरीर में लुब्रिकेन्ट की भूमिका निभाता है, जिसके परिणामस्वरूप जोड़ों के बीच फ्रिक्शन कम होता है।

शरीर का तापमान बनाए रखने में मदद करता है

शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखने के लिए तरल का संतुलन बहुत महत्वपूर्ण होता है। आपके शरीर में एंजाइम ठीक से काम करते रहें, इसके लिए शरीर का तापमान सामान्य बना रहना बहुत जरूरी है, अगर ऐसा नहीं होगा तो शरीर के सभी काम रूक जाएंगे।

पाचन में मदद करता है

अक्सर लोग ये सवाल पूछते हैं 'पानी पीने का सही समय क्या है? खाना खाने से पहले? खाना खाने के बाद? खाना खाने के दौरान? इन तीनों समय में पानी पीने से भोजन को पचाने में मदद मिलती है। पानी पीने से सलाईवा यानि लार की सही मात्रा बनती है, लार में इलेक्ट्रोलाईट, म्यूकस और एंजाइम होते हैं जो भोजन पचाने में मदद करते हैं और मुख के स्वास्थ्य को सामान्य बनाए रखते हैं। भोजन का पाचन मुख में ही शुरू हो जाता है और उम्र बढ़ने के साथ लार का उत्पादन कम मात्रा में होने लगता है। अगर आपको महसूस हो रहा है कि आपका मुंह सूख रहा है तो ज्यादा मात्रा में पानी पीना शुरू कर दें।

शरीर में फैट यानि वसा को बर्न करने में मदद करता है

कई अध्ययनों में पाया गया है कि पानी का सेवन सही मात्रा में करने से शरीर की वसा को बर्न करने में मदद मिलती है, इस तरह यह वजन कम करने में भी मददगार है।

Candidates Chess: गुकेश का स्वदेश लौटने पर हुआ भव्य स्वागत

चेन्नई, एजेंसी।

भारतीय ग्रैंडमास्टर ने टोरंटो में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का खिताब जीतकर गैरी कास्पारोव का रिकॉर्ड तोड़ा था। वह 40 साल पहले महान गैरी कास्पारोव द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ते हुए विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के चैलेंजर बन गए थे। कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाले युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश का स्वदेश लौटने पर भव्य स्वागत हुआ। गुकेश टोरंटो में हुए इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। गुकेश गुरुवार देर रात चेन्नई पहुंचे जहां एयरपोर्ट पर भारी संख्या में मौजूद प्रशंसकों ने

भारी संख्या में एयरपोर्ट पर जुटे प्रशंसक

उनका स्वागत किया।

गुकेश की एक झलक पाने को बेताब दिखे फैंस

वेलामल विद्यालय जहां गुकेश पढ़ते हैं वहां के सैकड़ों छात्र एयरपोर्ट पर करीब एक घंटे तक उनका इंतजार करते रहे। इसके अलावा जैसे-जैसे गुकेश की फ्लाइट लैंड होने का समय नजदीक आता गया वैसे-वैसे एयरपोर्ट पर फैंस की भीड़ बढ़ती चली गई। यह युवा शतरंज खिलाड़ी करीब तीन बजे एयरपोर्ट से बाहर आया और उन्हें तुरंत वहां मौजूद फैंस ने घेर लिया।

फैंस ने गुकेश को माला पहनाई और पुलिस को उन्हें सुरक्षित निकालने के लिए मेहनत करनी पड़ी। गुकेश की मां पदमा जो एक माइक्रोबायोलॉजिस्ट हैं वह भी परिवार के अन्य सदस्यों के साथ गुकेश का स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट पर मौजूद थीं। गुकेश ने भीड़ के बीच जैसे ही अपनी मां को देखा उनके चेहरे पर मुस्कान देखने मिली। इसके बाद गुकेश अपनी मां से गले मिले। गुकेश के पिता रजनीकांत जो पेशे से एएनटी सर्जन हैं, लेकिन उनका समर्थन करने के लिए उन्होंने अपने प्रैक्टिस छोड़ दी थी, वो गुकेश के साथ टोरंटो गए थे।

गुकेश ने एयरपोर्ट के बाहर मीडिया से बात करते हुए कहा, घर लौटकर काफी खुशी हो रही है, यह एक विशेष उपलब्धि है। मैं टूर्नामेंट की शुरुआत से ही अच्छी स्थिति में था। मुझे पूरा भरोसा था कि मैं यह टूर्नामेंट जीत लूंगा और भाग्य ने भी मेरा साथ दिया। यह देखना सुखद है कि लोग शतरंज को पसंद कर रहे हैं। मैं तमिलनाडु सरकार, अम्मा (मां), अप्पा (पिता), कोच, दोस्तों, परिवार, प्रायोजक और अपने स्कूल को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने इस टूर्नामेंट को जीतने में मेरी काफी मदद की।

World cup:

पुरुष और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमें फाइनल में, बोम्मदेवरा ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में किया सुधार

शंघाई, एजेंसी।

भारतीय पुरुष टीम के सामने शनिवार को खेले जाने वाले फाइनल में नीदरलैंड की चुनौती होगी। महिला वर्ग में मौजूद विश्व चैंपियन भारत ने तुर्किये और एस्तोनिया को शिकस्त देकर फाइनल का टिकट कटाया।

भारतीय पुरुष और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमों ने सत्र के शुरुआती तीरंदाजी विश्व कप के फाइनल में जगह बनाकर देश का पदक पक्का कर दिया। इसके साथ ही धीरज बोम्मदेवरा ने पुरुषों के रिकर्व क्वालिफिकेशन राउंड में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ तीसरा स्थान हासिल किया।

पुरुष टीम का फाइनल में नीदरलैंड से सामना

अनुभवी अभिषेक वर्मा, उभरते हुए तीरंदाज प्रथमेश भालचंद्र फुगे और मौजूदा अंडर-21 विश्व चैंपियन प्रियांश की चौथी वरीयता प्राप्त पुरुष टीम ने फिलीपींस और डेनमार्क को शिकस्त देने के बाद सेमीफाइनल में कोरिया की मजबूत चुनौती को खत्म की। भारतीय पुरुष टीम के सामने शनिवार को खेले जाने वाले फाइनल में नीदरलैंड की चुनौती होगी। भारतीय पुरुष टीम ने करीबी मुकाबले में कोरिया को 235-233 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। इस मुकाबले के शुरुआती दो दौर के बाद दोनों टीमें बराबरी पर थी, लेकिन भारत ने 59 के स्कोर के साथ कोरिया को पछाड़ा।

महिला टीम की भिड़ंत इटली से होगी

महिला वर्ग में मौजूद विश्व चैंपियन भारत ने तुर्किये और एस्तोनिया को शिकस्त देकर फाइनल का टिकट कटाया। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत के सामने फाइनल में इटली की चुनौती होगी। मौजूदा अंडर-18 और सीनियर चैंपियन अदिति स्वामी, एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता ज्योति सुरेखा वेन्नम और परनीत कौर की तिकड़ी ने अपने शुरुआती दो मैचों में सिर्फ 10 अंक गंवाए।

पंत को टी20 विश्व कप टीम में होना चाहिए: संजय मांजरेकर

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि ऋषभ पंत वो काम कर सकते हैं जो ज्यादातर भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज नहीं कर सकते और इसलिए उन्हें टी20 विश्व कप टीम में होना चाहिए।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 44 रन की पारी खेलने के बाद पंत ने बुधवार रात गुजरात टाइटंस के खिलाफ 204.6 के स्ट्राइक रेट से आठ छक्के और पांच चौके लगाकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उनकी 43 गेंदों में 88 रन की पारी ने डीसी को गुजरात के खिलाफ 4 विकेट पर 224 रन तक पहुंचाया।

जब पंत ने अक्षर पटेल के साथ हाथ मिलाया तो डीसी 3 विकेट पर 44 रन बनाकर संघर्ष कर रही थी और दोनों बल्लेबाजों ने 68 गेंदों में 113 रन जोड़े। संजय मांजरेकर ने स्टार स्पोर्ट्स क्रिकेट लाइव पर कहा, ÷हम जिस कारण से इस पर बहस कर रहे हैं उसका एकमात्र कारण हमारे पास मौजूद विकल्प है। एक विकल्प के रूप में संजू सैमसन और केएल राहुल हैं, दोनों बहुत ही रोमांचक हैं लेकिन बात ऋषभ पंत की है और यही कारण है कि मैं 15 में, प्लेइंग 11 में भी हर समय उनका समर्थन करूंगा, बड़े मंच पर आएं, सेमी-टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल, यह वह व्यक्ति है जो 60 गेंदों में शतक लगाएगा और मैच जीतेगा।

उन्होंने कहा, अब यह कुछ ऐसा नहीं है जिसे भारतीय टीम में बहुत से लोग करेंगे। हमने देखा है कि भारतीय टीम फाइनल राउंड में पहुंची और बड़े मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई, ऋषभ पंत स्वभाव से एक अलग तरह के स्थान पर हैं जहां आप जानते हैं कि इस तरह का मंच, उन्हें और अधिक फलने-फूलने की अनुमति देता है। वह उस तरह की स्थिति में आराम करते हैं।

यह पंत का 2024 आईपीएल सीज़न का सर्वोच्च स्कोर था क्योंकि उन्होंने पहले ही नौ मैचों में 48.86 की औसत के साथ तीन अर्धशतक सहित 342 रन बनाए हैं। उनकी 88 रनों की तूफानी नाबाद पारी ने टी20 विश्व कप में विकेटकीपर बल्लेबाज के स्थान की लड़ाई में स्टार बल्लेबाज का पक्ष लिया है। भारत के एक अन्य पूर्व क्रिकेटर दीप दासगुप्ता ने पंत के प्लेइंग इलेवन में शामिल होने को लेकर आश्वस्त थे और कहा, वह मेरे प्लेइंग 11 में हैं। आज से पहले, मुझे लगता है कि हमने खेल से पहले भी यह बातचीत की थी और मैंने बिना किसी संदेह के कहा था कि ऋषभ पंत मेरी प्लेइंग 11 में आता है। दीप दासगुप्ता ने कहा,डेढ़ साल पहले जो कुछ हुआ उसके बाद आईपीएल शुरू होने से पहले एकमात्र संदेह उनकी फिटनेस का स्तर था।

वह किस प्रकार की शारीरिक स्थिति में है और यदि वह फिट है जैसा कि वह है, तो वह फिट से भी बेहतर है। दरअसल, आप जानते हैं कि मैं उनसे क्या बातें कर रहा था. पिछले चार या पांच महीनों में उसका वजन छह किलो कम हो गया है और वह वास्तव में कड़ी मेहनत कर रहा है। तो हाँ, आइए बात करते हैं ऋषभ पंत के बारे में। मेरा मतलब है कि वह अधिक फिट है, वह तेज है, वह बेहतर बल्लेबाजी कर रहा है। बिना किसी संदेह के, जहां तक मेरा सवाल है, मुझे लगता है कि यह कोई बहस ही नहीं है। 15, हाँ, वह वहाँ है। 1 मई को आईसीसी की सबमिशन की समय सीमा भाग लेने वाली टीमों को 25 मई तक अपने प्रारंभिक चयन में बदलाव करने की अनुमति देती है।

आईपीएल 2024

मोहित ने आईपीएल का सबसे महंगा स्पेल फेंका

नईदिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2024 के 40वें मैच में गुजरात टाइटंस को 4 रन से हराया। अरुण जेटली स्टेडियम में बुधवार को गुजरात ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। दिल्ली ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 224 रन बनाए। जवाब में गुजरात 20 ओवर में 8 विकेट पर 220 रन ही बना सकी। जीटी के खिलाफ पहली बार किसी टीम ने इतना बड़ा स्कोर बनाया। डीसी के कप्तान ऋषभ पंत ने 43 बॉल पर 88 रन बनाए। इसमें से उन्होंने 28 रन आखिरी ओवर में मोहित शर्मा के खिलाफ 4 बॉल में स्कोर किए। शर्मा ने आईपीएल का सबसे महंगा स्पेल फेंका।

मोहित शर्मा ने आईपीएल का सबसे महंगा स्पेल फेंका

मोहित शर्मा ने आईपीएल का सबसे महंगा स्पेल फेंका। उन्होंने 4 ओवर में कुल 73 रन दिए, इसमें से 31 रन उनके आखिरी ओवर से आए। मोहित ने एसआरएच के लिए खेल चुके बसिल थंपी का रिकॉर्ड तोड़ा। साल 2018 में एसआरएच प्लेयर थंपी के खिलाफ आरसीबी के बैटर्स ने 70 रन बनाए थे।

IPL में सबसे महंगे बॉलर्स

बॉलर	विकेट रन (ओवर)	टीम	कब
मोहित शर्मा	0/73	GT vs DC	2024
बसिल थंपी	0/70 (4)	SRH vsRCB	2018
यश दयाल	0/69 (4)	GT vs KKR	2023
रीस टॉपली	1/68	RCB vs SRH	2024
इशांत शर्मा	0/66 (4)	SRH vs CSK	2013
मुजीब उर रहमान	0/66 (4)	PBKS vs SRH	2019

उसैन बोल्ट ICC टी-20 वर्ल्ड कप के ब्रांड एम्बेसडर बने

नईदिल्ली, एजेंसी।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने ओलिंपिक लिजेंड उसैन बोल्ट को आगामी आईसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप के लिए ब्रांड एम्बेसडर घोषित किया है। टी-20 वर्ल्ड जो 1-29 जून 2024 तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। 11 बार के वर्ल्ड चैंपियन बोल्ट वेस्टइंडिज के जमैका से हैं। उन्होंने 2017 में लंदन वर्ल्ड चैम्पियनशिप के बाद संन्यास ले लिया था। उन्होंने अपने आखिरी टूर्नामेंट में सिल्वर मेडल जीता था।

बोल्ट ने कहा, मैं आगामी टी-20 वर्ल्ड कप का ब्रांड एम्बेसडर बनकर रोमांचित हूं। इस खेल ने हमेशा मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखा है, और मैं वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज मैचों में भाग लेने और वर्ल्ड लेवल पर क्रिकेट के डेवलेपमेंट में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं। हालांकि मैं निश्चित रूप से वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज का समर्थन करूंगा, लेकिन इस गेम को अमेरिका में लाना क्रिकेट के लिए बड़ी बात है। यह दुनिया का सबसे बड़ा स्पोर्ट मार्केट है और टी-20 वर्ल्ड कप के लिए हम जो करेंगे, वह 2028 में ऋ ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने की दिशा में एक बड़ा मौका है।

बोल्ट के नाम 100 मीटर रेस में वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज

बोल्ट ने 100 मीटर रेस 9.58 सेकंड और 200 मीटर रेस 19.19 सेकंड में पूरी की थी। यह वर्ल्ड रिकॉर्ड है। बोल्ट ने 3 ओलिंपिक में 8 गोल्ड जीते थे। इनमें से 2008 बीजिंग ओलिंपिक में 2, जबकि 2012 लंदन ओलिंपिक और 2016 रियो ओलिंपिक में 3-3 गोल्ड जीते थे।

क्रिकेट के कारण ही बोल्ट को एथलेटिक्स में करियर मिला

जमैका में जन्मे बोल्ट बोल्ट ने अपना बचपन भाई के साथ गली में क्रिकेट और फुटबॉल खेलकर बिताया। 12 साल की उम्र तक उन्होंने यह तो सोच लिया था कि खेल में ही करियर बनाना है, लेकिन किस खेल में बनाना है, यह तय नहीं कर पा रहे थे।

एक दिन बोल्ट के क्रिकेट कोच ने पिच पर उनके दौड़ने की स्पीड देखी और सलाह दी कि उन्हें स्प्रिंटिंग में कोशिश करनी चाहिए। बोल्ट ने अपने कोच की सलाह मानी और दौड़ की ट्रेनिंग लेने लगे। पहली बार लगभग पंद्रह साल की उम्र में कैरेबियन रीजनल प्रतियोगिता में जमैका के लिए खेलते हुए 2001 में, 400 मीटर और 200 मीटर दौड़ में उन्होंने सिल्वर मेडल जीता। 2002 में वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप में एक गोल्ड के साथ तीन मेडल जीते।

वर्ल्ड कप के ऑफिशियल सॉन्ग में कैमियो करेंगे बोल्ट

एम्बेसडर के रूप में, बोल्ट इस इवेंट को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जिसकी शुरुआत अगले सप्ताह सिंगर सीन पॉल और केस के साथ ऑफिशियल सॉन्ग वीडियो के रिलीज में एक कैमियो के साथ होगी।

आठ बार के ओलंपिक गोल्ड मेडल विनर वेस्टइंडीज में टी-20 वर्ल्ड कप मैचों में भी भाग लेंगे और अमेरिका के अंदर खेल को बढ़ावा देने वाले फैंस इवेंट्स का भी हिस्सा होंगे।

मैं एक थीम तक सीमित नहीं रहना चाहता: रणदीप

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा ने कहा है कि वह खुद को एक थीम तक सीमित नहीं रखना चाहते। वह अलग-अलग शैलियों में काम करना चाहते हैं। अभिनेता ने एक फिल्म निर्माता के रूप में अपने अगले प्रोजेक्ट एक्शन फिल्म का भी संकेत दिया। अगले प्रोजेक्ट के बारे में पूछे जाने पर रणदीप ने आईएएनएस से कहा, एक एक्टर के तौर पर, मैंने कई छलांग लगाई है, कई तरह के किरदार निभाए हैं। इसी तरह, एक फिल्म निर्माता के रूप में, मैं अलग-अलग शैलियों पर काम करूंगा। शायद अगली बार मैं एक एक्शन फिल्म बनाऊंगा। रणदीप ने 2001 में मॉनसून वेडिंग से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उन्होंने कई शानदार फिल्में दी, जिनमें साहेब बीवी और गैंगस्टर, मर्डर 3, हाईवे और सरबजीत शामिल हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में एक्टर ने कहा, इंडस्ट्री कोई एक व्यक्ति या लोगों का समूह नहीं है। यह अलग-अलग द्वीप हैं जो अपना काम करने की कोशिश कर रहे हैं। जैसे मैं एक हूं।

73 की उम्र में रजनीकांत का कमाल, बने एशिया के सबसे महंगे स्टार, कुली के लिए वसूले 280 करोड़!

रजनीकांत आज के दौर के सबसे महंगे स्टार बन गए हैं और ये कमाल उन्होंने 73 की उम्र में किया है। वे अपनी अगली फिल्म के लिए 280 करोड़ रुपए चार्ज कर रहे हैं और अगर उन्हें यह फीस आधिकारिक तौर पर मिल जाती है तो वे देश ही नहीं बल्कि एशिया के सबसे महंगे स्टार कहे जाएंगे। रजनीकांत सुप्रसिद्ध निर्देशक लोकेश कनगराज के साथ एक फिल्म में काम कर रहे हैं, जिसके शीर्षक की घोषणा हाल ही में की गई है।

कनगराज की रजनीकांत अभिनीत फिल्म का शीर्षक कुली है। फिल्म निर्माता ने खुलासा किया कि थलाइवर 171 को आधिकारिक तौर पर कुली कहा जाएगा और उन्होंने एक एक्शन से भरपूर टीजर भी शेयर किया। प्रशंसक यह देखने के लिए एक्साइटेड हैं कि रजनीकांत और लोकेश ने उनके लिए क्या नया परोसा है जो अमिताभ बच्चन की 1983 में आई फिल्म कुली से

अलग होगा। फिल्म के लिए रजनीकांत की फीस का खुलासा हो गया है। रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म के लिए रजनीकांत ने बेहद मोटी रकम चार्ज की है। प्राप्त समाचारों के अनुसार रजनीकांत ने फिल्म के लिए 260 करोड़ से 280 करोड़ रुपये चार्ज किए हैं। यदि ये दावे सच हैं, तो यह तमिल सुपरस्टार को एशिया में सबसे अधिक भुगतान पाने वाला अभिनेता बना देगा। हालांकि अभी तक इस बात को लेकर निर्माताओं या अभिनेता की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। रजनीकांत की कुली जल्द ही फ्लोर पर जाने के लिए तैयार है और फिल्म का निर्देशन लोकेश कनगराज करने जा रहे हैं।

फिल्म के संगीतकार के तौर पर अनिरुद्ध रविचंदर को चुना गया है। थलाइवर 171 में पृथ्वीराज सुकुमारन, रणवीर सिंह और पार्वती थिरुवोथु भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं, वहीं विजय सेतुपति कथित तौर पर थलाइवर 171 में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए निर्देशक लोकेश के साथ बातचीत कर रहे हैं। इसके अलावा, यह भी कहा जा रहा है कि शाहरुख खान इस फिल्म में एक कैमियो भूमिका निभा सकते हैं। वहीं दूसरी ओर, रजनीकांत थलाइवर 170 पर भी काम कर रहे हैं, जिसका आधिकारिक नाम वेट्टैयान है। फिल्म का निर्देशन टी जे ग्नानवेल कर रहे हैं।

भारतीय मूल की इस बेटी का नेटफ्लिक्स में चलता है सिक्का

नेटफ्लिक्स के मुंबई दफ्तर में इन दिनों दिवाली सा माहौल है। पहले अभिनेता रवि किशन की वेब सीरीज 'मामला लीगल है' ने लोगों का दिल जीता। फिर, निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म 'चमकीला' हिट रही और अब आने वाली है, निर्माता-निर्देशक संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी'। 'हीरामंडी' का प्रीमियर बुधवार को मुंबई में होने वाला है। इसके लिए फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गजों को न्यौता जा चुका है और नेटफ्लिक्स की इस 'दिवाली' में खासतौर से शामिल होने पहुंची हैं नेटफ्लिक्स की मुख्य सामग्री अधिकारी यानी चीफ कंटेंट ऑफिसर बेला बजरिया। बीते आठ साल से बेला बजरिया नेटफ्लिक्स में हैं, लेकिन एक समय ऐसा भी रहा है जब बेला बजरिया का जलवा रैंप पर भी खूब निखरा। साल 1970 में लंदन में जन्मी बेला बजरिया के माता-पिता भारतीय मूल के हैं और उनके बचपन का लंबा समय अपने दादा-दादी के साथ बीता। ऐसा इसलिए हुआ बताया जाता है क्योंकि उनके माता-पिता जब लंदन से कारोबार की तलाश में अमेरिका पहुंचे तो वह अपना वीजा खत्म होने के बाद भी वहां रुके रहे और गैरकानूनी अप्रवासी घोषित कर दिए गए।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली सरकार के पास लंबित फाइलों का आंकड़ा तीन हजार पार

नईदिल्ली, एजेंसी। इसे प्रशासनिक अनदेखी कहें या कुछ और... 10 साल में दिल्ली सरकार के पास लंबित फाइलों का आंकड़ा तीन हजार पार कर गया है। मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री कार्यालय के साथ- साथ ही हर मंत्री के कार्यालय में भी लंबित फाइलों का अंबार लगा है। इन फाइलों में विभिन्न निकायों के पुनर्गठन, कई अहम नियुक्तियों, महत्वपूर्ण प्रस्तावों एवं विधेयकों के अलावा और भी आवश्यक विषय शामिल हैं। हालांकि इस संदर्भ में दिल्ली सरकार से भी उनकी प्रतिक्रिया जानने की कोशिश की गई, लेकिन खबर लिखे जाने तक नहीं मिल पाई थी। दिल्ली सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि 14 फरवरी 2015 से 12 अप्रैल 2024 तक ऐसी फाइलों की संख्या बढ़ते- बढ़ते 3,060 हो गई है, जिन्हें सरकार की मंजूरी चाहिए। अगर 2024 के ही करीब साढ़े तीन माह की बात करें तो अकेले सीएम के पास 23 फाइलें लंबित हैं। मार्च और अप्रैल माह में तमाम विभागों के पास 16 फाइलें स्वीकृति की राह देख रही हैं। आधिकारिक सूत्र बताते हैं कि फाइलों को मंजूरी न मिलने से अलग- अलग विभागों की ढेरों योजनाएं क्रियान्वित नहीं हो पाई हैं। अनेक बोर्डों का गठन नहीं हो सका है, कई कार्ययोजनाओं पर काम शुरू नहीं हो पाया है, कई विभागों के अध्यक्ष नियुक्त नहीं हो पाए तो बहुत सी रिपोर्ट और बैठक के मिनटस भी अधर में हैं।

इंडिया गेट के पास आइसक्रीम वेंडर की चाकू मारकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली के इंडिया गेट के पंडारा रोड पर बुधवार देर रात आइसक्रीम की रेहड़ी लगाने वाले एक आइसक्रीम विक्रेता की बदमाशों ने चाकू मार कर हत्या कर दी और फरार हो गए। वारदात की सूचना पर नई दिल्ली डीसीपी सहित आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। फिलहाल पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर जांच में जुटी है और इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। नई दिल्ली जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि देर रात पंडारा रोड पर चाकू मारने की पीसीआर कॉल मिली थी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम को एक घायल शख्स मिला। उसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसकी पहचान आइसक्रीम विक्रेता प्रभात कुमार के रूप में हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

वंदे भारत में सफर करने वाले ध्यान दें, रेलवे ने बदला नियम; ट्रेन में अब नहीं मिलेगी ये सुविधा

नईदिल्ली, एजेंसी। वंदे भारत ट्रेन में यात्रा करने वाले यात्रियों को एक लीटर वाली पानी की बोतल मिलती है। रेलवे ने इसमें अब बदलाव करने का निर्णय लिया है। यात्रियों को एक लीटर की जगह 500 मिलीलीटर की पानी की बोतल प्रदान की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि पानी की बर्बादी को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। अधिकारियों का कहना है कि ट्रेन में यात्रियों को दी जाने वाली पानी की बोतल की उपयोगिता की समीक्षा करने के बाद यह कदम उठाया गया है। यह देखा गया है कि अधिकांश यात्री पानी का पूरा उपयोग नहीं करते हैं। बोतल में बचा हुआ पानी किसी और के उपयोग लायक नहीं रह जाता है।

हम चुपचाप हाथ धरे बैठे नहीं रहेंगे, पिद्दी से मुस्लिम देश अजरबैजान ने भारत को क्यों दी गीदड़ भभकी?

नईदिल्ली, एजेंसी।
पश्चिम एशिया में ईरान से सटे मुस्लिम देश अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने कहा है कि अगर भारत और फ्रांस ने उसके पड़ोसी और दुश्मन देश आर्मेनिया को हथियारों की सप्लाई की तो वह चुपचाप हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठा रहेगा। अलीयेव ने कहा कि अगर उन्हें लगा कि खतरा बड़ा है तो वो उचित जवाब देंगे। अजरबैजान की तरफ से यह बयान तब आया है, जब भारत और फ्रांस ने आर्मेनिया को हथियार देने पर सहमति जताई है।

अजरबैजान के राष्ट्रपति ने क्या कहा

अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने कहा, जब फ्रांस, भारत और ग्रीस हमारे खिलाफ आर्मेनिया को हथियार देंगे तो हम चुपचाप नहीं बैठ सकते। हम हाथ पर हाथ धरे बैठे नहीं रह सकते। दरअसल, काकेशस पर्वत माला की तलहटी में बसे इस पिद्दी से देश का पड़ोसी आर्मेनिया से रिश्ते अच्छे नहीं हैं।

दोनों देशों के बीच लंबे समय से संघर्ष होता रहा है।

भारत से क्यों रक्षा डील : ऐसे में आर्मेनिया ने करीब 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के हथियारों की डील रूस से की थी लेकिन यूक्रेन से जंग लड़ रहा रूस उस ऑर्डर को पूरा करने में विफल रहा। इसके बाद आर्मेनिया ने हथियारों की आपूर्ति के लिए नए साथी की तलाश शुरू की। उसकी खोज भारत पर आकर खत्म हुई। इस बीच, फ्रांस, भारत और ग्रीस ने जहां मिलकर आर्मेनिया की मदद करने का फैसला किया, वहीं दो कट्टर इस्लामिक देश तुर्की और पाकिस्तान ने मजहबी साथ देते हुए अज़रबैजान का पक्ष लिया।

बता दें कि आर्मेनिया ने हाल के वर्षों में अपना रक्षा बजट दोगुना कर दिया है। 2022 में जहां उसका रक्षा पर खर्च 700 से 800 मिलियन डॉलर हुआ करता था, वह अब बढ़कर 2024 में 1.5 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। यूरिशियन टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, आर्मेनिया की रक्षा और सुरक्षा मामलों की संसदीय समिति के अध्यक्ष एंड्रानिक कोचरियन ने हाल ही में भारत का नाम लिए बिना कहा था कि आर्मेनिया द्वारा खरीदे गए नए हथियार बहुत संतोषजनक साबित हुए हैं।

आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच विवाद की जड़ : दो काकेशियन पड़ोसियों के बीच विवाद की मुख्य जड़, नागोर्नो-काराबाख क्षेत्र है, जहां लंबे समय से दोनों देशों के बीच संघर्ष होते रहे हैं। यह काला सागर और कैस्पियन सागर के बीच अंतरमहाद्वीपीय क्षेत्र है। हाल ही में अजरबैजान ने इस विवादित क्षेत्र में एक सैन्य अभियान शुरू किया था, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई थी। इस इलाके को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अज़रबैजान के हिस्से के रूप में मान्यता प्राप्त है लेकिन इसके निवासी मुख्यतः जातीय रूप से अर्मेनियाई हैं। यानी यहां के लोग आर्मेनिया सरकार का समर्थन करते हैं।

मेड इन इंडिया हथियारों का मुरीद आर्मेनिया : अजरबैजान के हमले के बाद अक्टूबर 2023 में, फ्रांस ने आर्मेनिया को सैन्य सहायता का वादा किया था। तब से फ्रांस राजनीतिक स्तर पर ही आर्मेनिया को मदद करता आ रहा था। यूक्रेन युद्ध के बाद कई यूरोपीय देशों ने रूस के खिलाफ यूक्रेन का साथ दिया और सैन्य मदद की। ऐसे में आर्मेनिया ने भारत की तरफ सैन्य आयात के लिए हाथ बढ़ाए।

मेरे अंतिम संस्कार में तो आ जाना, दामाद के लिए प्रचार करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे भावुक

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने गृहक्षेत्र कलबुर्गी में जनता से भावुक अपील की है। उन्होंने स्थानीय लोगों से अपील करते हुए कहा कि भले ही वे आगामी लोकसभा चुनावों में पार्टी उम्मीदवार के पक्ष में वोट न करना चाहते हों, लेकिन अगर उन्हें लगता है कि मैंने उनके लिए काम किया है तो कम से कम मेरे अंतिम संस्कार में शामिल हो जाना। जिले के अफजलपुर में एक चुनावी रैली में 81-वर्षीय नेता ने यह भी कहा कि अगर उन्होंने (लोगों ने) कांग्रेस उम्मीदवार को वोट नहीं दिया तो उन्हें लगेगा कि कलबुर्गी में अब उनके लिए कोई जगह नहीं है। कांग्रेस ने खरगे के दामाद राधाकृष्ण डोड्डामणि को भाजपा के मौजूदा सांसद उमेश जाधव के खिलाफ कलबुर्गी से मैदान में उतारा है। खरगे ने कहा, अगर आप इस बार (कांग्रेस उम्मीदवार को) अपना वोट देने से चूक गए, तो मैं सोचूंगा कि मेरे लिए यहां कोई जगह नहीं है और मैं आपका दिल नहीं जीत सका। कांग्रेस नेता ने इस सीट से 2009 और 2014 में चुनाव जीता था लेकिन 2019 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, आप हमें (कांग्रेस को) वोट दें या नहीं, लेकिन अगर आपको लगता है कि मैंने कलबुर्गी के लिए काम किया है तो कम से कम मेरे अंतिम संस्कार में जरूर आएं। उन्होंने यह भी कहा कि वह भाजपा और आरएसएस की विचारधारा को हराने के लिए अपनी आखिरी सांस तक राजनीति में बने रहेंगे। खरगे ने जोर देकर कहा, मेरा जन्म राजनीति के लिए हुआ है। मैं चुनाव लड़ूं या नहीं लड़ूं, लेकिन इस देश के संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए अपनी आखिरी सांस तक प्रयास करूंगा। मैं राजनीति से संन्यास नहीं लूंगा।

कांग्रेस सरकार में 15 साल मंत्री रहे राजकुमार चौहान ने पार्टी से क्यों दिया इस्तीफा

नईदिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी से गठबंधन में मिली तीन सीटों पर भी कांग्रेस में उम्मीदवारों की घोषणा से उपजा असंतोष थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी कड़ी में उत्तर पश्चिमी दिल्ली से डॉ. उदित राज की उम्मीदवारी के विरोध में शीला दीक्षित सरकार में 15 साल मंत्री रहे राजकुमार चौहान ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे से प्रदेश कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। बता दें कि राजकुमार चौहान भी उत्तर पश्चिमी दिल्ली से टिकट के दावेदार थे, लेकिन उन्हें टिकट नहीं मिला। यहां से पूर्व सांसद उदित राज को टिकट दिया गया है। इससे वह आक्रोशित थे। बताया जा रहा है कि रविवार को प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया ने इस लोकसभा क्षेत्र के प्रमुख नेताओं की बैठक बुलाई थी तो इसमें भी उन्होंने खुलकर अपना विरोध प्रकट किया था। इस दौरान उनकी बाबरिया के साथ भी बहस हो गई थी। इसी से आहत होकर उन्होंने यह कदम उठाया है। चौहान ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली को लिखे पत्र में कहा, ÷मेरे पिता, दादा व पूरा परिवार कांग्रेस से जुड़ा हुआ है।÷ आप के द्वारा एक बैठक पहले प्रदेश कार्यालय में बुलाई गई थी।

10 मई को खुलेंगे आदि कैलास के कपाट, पीएम मोदी के दर्शन के बाद बढ़ा क्रेज

नईदिल्ली, एजेंसी। आदि कैलास यात्रा सड़क मार्ग से इसी माह अंतिम सप्ताह से शुरू हो जाएगी। प्रशासनिक स्तर पर इसकी तैयारी कर ली गई है। आदि कैलास मार्ग में जमा बर्फ को हटाने में सीमा सड़क संगठन तेजी से जुटा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिछले साल आदि कैलास दर्शनों के बाद से ही यहां विश्व प्रसिद्ध आदि कैलास यात्रा जाने के लिए भारी संख्या में यात्री आ रहे हैं।

प्रशासन की तरफ से सड़क खुलने के तत्काल बाद श्रद्धालुओं को शिवधाम जाने की अनुमति दे दी जाएगी। बतादें कि 10 मई को आदि कैलास मंदिर के कपाट खुलेंगे और वहां पूजा अर्चना शुरू होगी। इससे पहले पर्यटक आदि कैलास पर्वत और ओम पर्वत के दर्शन कर सकेंगे। यात्रा को सुगम बनाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। सीमांत के उच्च हिमालयी क्षेत्रों की चोटियां गर्मी में भी बर्फ से लकदक हैं। धारचूला से लेकर मुनस्यारी तक उच्च हिमालयी क्षेत्रों में ताजा हिमपात हुआ है।

तिहाड़ में भिड़े दो गुट आप बोली- वहां कई हत्याएं हुई, केजरीवाल के साथ ऐसी घटना को अंजाम दिला सकते हैं लोग

नई दिल्ली, एजेंसी।
आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के जीवन के साथ ये लोग (भाजपा) खिलवाड़ कर रहे हैं। जब तिहाड़ जेल में एक नहीं कई हत्या की घटनाएं हो चुकी हैं तो अरविंद केजरीवाल के साथ भी ये लोग ऐसी किसी घटना को अंजाम दिला सकते हैं। दिल्ली की तिहाड़ जेल में कैदियों के बीच झड़प हो गई। कैदियों ने एक दूसरे पर सुए से हमला किया, जिसमें चार कैदी घायल हो गए। इस घटना के बाद एक बार फिर आम आदमी पार्टी ने तिहाड़ जेल में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जान को खतरा बताया है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल के साथ भी ये लोग ऐसी किसी घटना को अंजाम दिला सकते हैं।

आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के जीवन के साथ ये लोग (भाजपा) खिलवाड़ कर रहे हैं। जब तिहाड़ जेल में एक नहीं कई हत्या की घटनाएं हो चुकी हैं तो अरविंद

केजरीवाल के साथ भी ये लोग ऐसी किसी घटना को अंजाम दिला सकते हैं। 24 घंटे सीसीटीवी से निगरानी रखी जाती है। उनके खिलाफ गहरा षडयंत्र चल रहा है। आप (भाजपा) 23 दिन तक उनके (अरविंद केजरीवाल) जीवन के साथ खिलवाड़ करते रहे। आपने उन्हें इंसुलिन नहीं दिया। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा के जेल प्रशासन की साजिश दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नुकसान पहुंचाने की है। उनके साथ आतंकवादियों की तरह व्यवहार किया जा रहा है। उनकी मुलाकातें किसी खूंखार अपराधियों की तरह शीशे की दीवार खड़ी करके कराई जा रही है। तिहाड़ जेल में पिछले 1-2 वर्षों में कई हत्याएं हो चुकी हैं। ऐसे में अगर वहां सीएम केजरीवाल को कुछ हो जाता है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? अरविंद केजरीवाल जी के साथ जेल में कुछ भी होता है तो ये लोग तो मुंह बनाकर कैमरे पर आ जाएंगे। आप सांसद ने कहा कि भाजपा ने पिछले 10 वर्षों में कई राज्यों में विपक्षी दलों की सरकार और पार्टियां तोड़कर अपनी सरकार बना ली। इन लोगों ने राज्यों में चुनाव से नहीं बल्कि खरीद-फरोख्त करके सरकार बनाई। इनके उम्मीदवार और नेता कह रहे हैं, 400 सीट दे दो, संविधान बदलना है। इनका मकसद ही देश के संविधान और आरक्षण को खत्म करना है। 2024 का चुनाव अंतिम चुनाव है। इस चुनाव में अगर नरेंद्र मोदी और भाजपा जीतती है तो आगे से देश में चुनाव होंगे ही नहीं। इसकी शुरुआत गुजरात के सूरत से हो चुकी है। अगर ये लोग जीत जाते हैं तो देश में संविधान, आरक्षण और जनता के अधिकार खत्म हो जायेंगे। बाबा साहब के संविधान को खत्म करके आरएसएस के संविधान से देश चलाया जाएगा।

दिल्ली के तिहाड़ जेल की जेल संख्या 3 कैदियों के दो गुट आपस में भिड़ गए। कैदियों ने झगड़े में सुए का इस्तेमाल किया। झगड़ में चार कैदी घायल हो गए हैं। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, सोमवार शाम की घटना है, जेल नंबर तीन में बाथरूम जाने को लेकर विवाद हुआ था।

इजरायल का समर्थन करने पर अमेरिका में विरोध-प्रदर्शन तेज, सैकड़ों छात्र गिरफ्तार

न्यूयॉर्क , एजेंसी। मिडिल ईस्ट में गाजा युद्ध को लेकर इजरायल का समर्थन करने के अमेरिका के फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। अमेरिकी विश्वविद्यालयों के कैंपस से सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार किया गया है। न्यूयॉर्क शहर में आइवी लीग कोलंबिया यूनिवर्सिटी कैंपस में बुधवार को विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ, जहां 100 से ज्यादा छात्रों को गिरफ्तार किया गया और उनके तम्बू को हटा दिया गया। कई लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। छात्रों की मांग हैं कि अमेरिका इजरायल के लिए अपना समर्थन बंद कर दे, जो गाजा में हमास के साथ युद्ध में उलझा हुआ है। गाजा में 30,000 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, इनमें से अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। उनकी यह भी मांग है कि विश्वविद्यालय इजरायल के साथ सारे संबंध तोड़ ले। छात्रों को टेक्सस-ऑस्टिन विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय, येल, ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी और दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से गिरफ्तार किया गया है। कोलंबिया की तरह हार्वर्ड, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया-बर्कले सहित दर्जनों विश्वविद्यालयों में विरोध तम्बू शिविर लगाए गए हैं। अमेरिकी संसद अध्यक्ष माइक जॉनसन ने कोलंबिया विश्वविद्यालय का दौरा किया। उन्होंने यहूदी छात्रों की रक्षा करने में विफल रहने के लिए कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट मिनोचे शफीक के इस्तीफे की मांग की, साथ ही यहूदी विरोधी भीड़ पर अमेरिकी विश्वविद्यालयों पर कब्जा करने का आरोप लगाया। इस दौरान उन्हें छात्रों के विरोध का सामना करना पड़ा। जॉनसन ने धमकी दी कि विरोध को दबाने के लिए नेशनल गार्ड को तैनात किया जा सकता है, और राष्ट्रपति जो बाइडेन से हस्तक्षेप करने का आह्वान किया। जब वह पत्रकारों से बात कर रहे थे तो छात्रों ने नारा लगाया, ÷नदी से समुद्र तक, फिलिस्तीन आजाद होगा। विश्वविद्यालय प्रशासक बीच में फंस गए हैं। उन पर दक्षिणपंथियों ने छात्रों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त कदम न उठाने का आरोप लगाया और वामपंथियों ने उन पर बहुत कठोर होने का आरोप लगाया है। शेफाक, जो लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के प्रमुख थे और मिस्र मूल के हैं, विरोध प्रदर्शन की मौजूदा लहर में पुलिस को बुलाने वाले पहले विश्वविद्यालय प्रमुख हैं, लेकिन जब जॉनसन ने उनके इस्तीफे की मांग की, तो यूनिवर्सिटी फैकल्टी और छात्रों ने उनका विरोध किया। ।लांकि, विरोध प्रदर्शन में शामिल कुछ लोग यहूदियों को उनके धर्म के आधार पर निशाना बना रहे हैं।

विश्वविद्यालयों में बढ़ते फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनों से घबराई सरकार, सैंकड़ों हिरासत में, कई कॉलेज हुए बंद

वॉशिंगटन , एजेंसी। न्यूयॉर्क पुलिस ने तो सोमवार को यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क और येले यूनिवर्सिटी प्रशासन को समन जारी कर फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनों को सुलझाने को कहा है। बढ़ते विरोध प्रदर्शनों के चलते 21 यूनिवर्सिटीज में कक्षाएं ऑनलाइन संचालित की जा रही हैं। अमेरिका के कई विश्वविद्यालय इन दिनों विरोध प्रदर्शनों का केंद्र बने हुए हैं। दरअसल अमेरिकी यूनिवर्सिटीज में फलस्तीन के समर्थन में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। यह विरोध प्रदर्शन इतने बढ़ गए हैं कि अमेरिकी सरकार भी घबरा गई है। यही वजह है कि सरकार ने कई यूनिवर्सिटीज को बंद करने और ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने का आदेश दिया है। विरोध प्रदर्शनों के चलते सैंकड़ों छात्रों को हिरासत में लिया गया है और 100 से ज्यादा लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

कैलिफोर्निया से लेकर न्यूयॉर्क तक अमेरिका की 21 यूनिवर्सिटीज में बीते कुछ दिनों से फलस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। बड़ी संख्या में छात्र कॉलेज परिसर में ही तंबू लगाकर रह रहे हैं।

न्यूयॉर्क पुलिस ने तो सोमवार को यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क और येले यूनिवर्सिटी प्रशासन को समन जारी कर फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनों को सुलझाने को कहा है। बढ़ते विरोध प्रदर्शनों के चलते 21 यूनिवर्सिटीज में कक्षाएं ऑनलाइन संचालित की जा रही हैं। वहीं कुछ कॉलेज बंद ही कर दिए गए हैं। अमेरिकी पुलिस ने सैंकड़ों प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है। जिन यूनिवर्सिटीज से छात्रों को हिरासत में लिया गया है, उनमें यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास और यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया आदि शामिल हैं।

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास से ही 34 लोगों को हिरासत में लिया गया है। वहीं यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया से 93 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने इस हफ्ते की शुरुआत में 100 से ज्यादा लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

ईरान को तबाह करने के लिए पाकिस्तान दे रहा सेना के हथियार! इस आतंकी संगठन की कर रहा मदद

ईरान,, एजेंसी।
ईरान की खुफिया एजेंसी से आई ऐसी रिपोर्ट कि इस्लामाबाद अब मुश्किल में। पाकिस्तान ने जैश-अल-अदल को दिए सेना में इस्तेमाल होने वाले हथियार। उसी से किए गए ईरान पर हमले। यह आई है बड़ी रिपोर्ट। इस रिपोर्ट के बाद पाकिस्तान और ईरान के रिश्तों में घुल रही मिठास में आने वाली है कड़वाहट।

पाकिस्तान में ईरान के राष्ट्रपति की यात्रा तो हो गई, लेकिन जिस दस अरब डॉलर के व्यापारिक संबंधों की उम्मीद इस्लामाबाद ने तेहरान से लगाई थी उस पर पानी फिर गया। दरअसल ईरान की खुफिया एजेंसियों के दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि जब इस्राइल ने दमिश्क के भीतर उनके दूतावास पर हमला किया, तो पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन-जैश-अल- अदल ने ईरान के कुछ इलाकों में हमले कर उनके सैन्य कर्मियों की हत्या कर दी। चौंकाने वाली रिपोर्ट यह है कि इस हमले में जिन हथियारों का इस्तेमाल हुआ था, वह पाकिस्तान की सेना इस्तेमाल करती है। यही नहीं रिपोर्ट में इस बात का भी

खुलासा हुआ है कि ईरान के खिलाफ पाकिस्तान की सेना के हथियार आतंकी संगठनों को लगातार मुहैया कराए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक ईरानी खुफिया एजेंसियों के ऐसे खुलासे से पाकिस्तान और ईरान के बीच 10 अरब डालर तक के व्यापारिक संधि की उम्मीद पर पानी फिर गया है।

ईरान के राष्ट्रपति सैयद इब्राहिम रईसी तीन दिवसीय पाकिस्तान के दौरे पर थे, जो बुधवार को खत्म हो गया। इस दौरे में पाकिस्तान ने ईरान के साथ अपने व्यापारिक समझौता को बढ़ाने के लिए मुक्त व्यापार और ओपन बॉर्डर की वकालत करते हुए ईरान को रिझाने का नाटक किया। केंद्रीय खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान के इस नाटक की पोल तब खुली, जब ईरान की खुफिया एजेंसियों की एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट इस यात्रा के दौरान इस्लामाबाद से साझा की गई। दरअसल खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट इस बात की तस्दीक करती है कि पाकिस्तान जिस खुले बॉर्डर से व्यापार की बात कर रहा है, वहां से व्यापार की बजाय आतंकवाद ईरान में भेजा जा रहा है। खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक ईरान की खुफिया एजेंसियों और प्रमुख सुरक्षा अधिकारियों ने इस्लामाबाद से जैश-अल-अदल को हथियारों की सप्लाई करने और आतंकवाद समेत हमले करने में मदद करने की पुख्ता रिपोर्ट दी है। सूत्रों के मुताबिक ईरान में हमला करने वाले आतंकी संगठन जैश अल अदल को पाकिस्तान की सेना के अत्याधुनिक हथियार मुहैया कराए जाते हैं। पाकिस्तान को यह कड़ा संदेश तेहरान ने उनकी ही जमीन पर आकर दिया है।

केंद्रीय खुफिया एजेंसियों से जुड़े सूत्रों के मुताबिक दरअसल ईरान ने पाकिस्तान को इसकी हकीकत तब बताई, जब उसके ऊपर इस्राइल ने बड़ा हमला किया। इस्राइल ने दमिश्क में जब ईरान के दूतावास पर हमला किया, तो पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों ने ईरान के सिस्तान प्रांत में हमला कर दिया। ईरान की खुफिया एजेंसियों को मिले पुख्ता सुबूतों के मुताबिक यह हमला जैश-अल-अदल की ओर से किया गया था और इस हमले में इस्तेमाल किए गए हथियार पाकिस्तान की ओर से मुहैया कराए गए थे। खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक जिन हथियारों से पाकिस्तान समर्थित जैश-अल-अदल ने सिस्तान में हमला किया, वह पाकिस्तान में ही बनाए जाते हैं। ईरान की खुफिया एजेंसियों ने पाकिस्तानी हथियारों से लैस उन आतंकवादियों की तस्वीरें भी हासिल की हैं, जिसमें हेकलर एंड कोच जी 3 जो पाकिस्तान में बनाए जाते हैं और पाकिस्तान सेना इन हथियारों का इस्तेमाल करती है। पाकिस्तान सेना के ये हथियार आतंकियों से बरामद किए गए हैं।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।